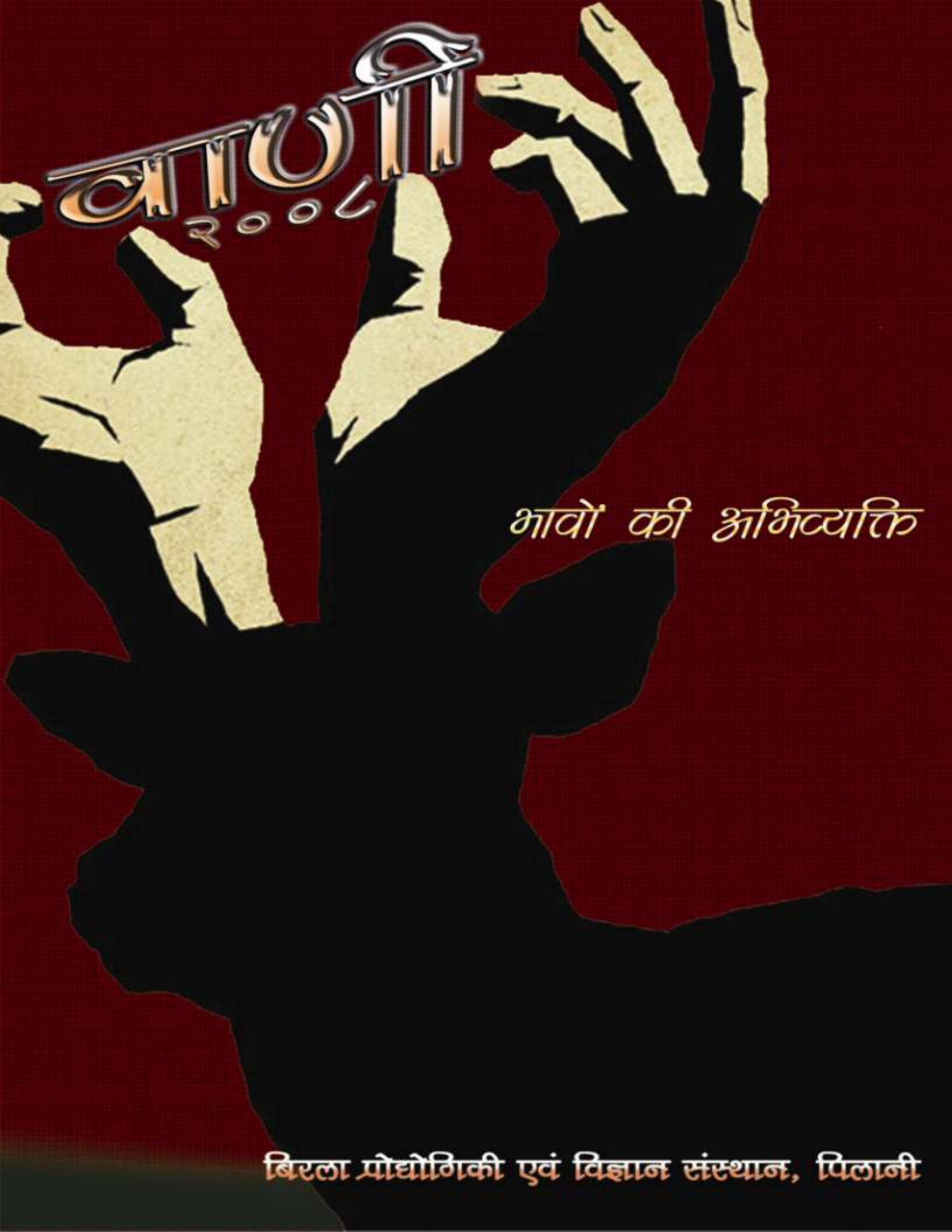
वाणी
२००८
भावों की अभिव्यक्ति
बिरला प्रोद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, पिलानी

Da. laxmalkat maahSvarl
klapit

05. 03. 2008

sadlSa

Saaih%ya samaaja ka dpNa h. samasaamaiyak ivaYayaa pr samaaja k ivacaara ka Paitibaimbat करने की सुगम एवं सक्षम माध्यम हैं-पत्रिकाएँ। ‘वाणी’, जो बिट्स में पुन: प्रारंभ की गइ हिन्दी पत्रिका है, इसी भावना को प्रसारित करने में महत्वपूण Baimaka inaBaa rhl h. yavaa vaga k ivacaara ka ek na[idSaa eva saaca Padana krna kl xamata rKna vaalal yah pi~ka ibaTsa pirsar ka AiQak PaKirt banaana ma sahayak isaw ha saktl h. iva&ana eva प्रौद्यौगिकी के क्षेत्र में हो रहे नए-नए आविष्कार एवं उनकी गति सभी क्षेत्रों को प्रभावित kr rhl h. ibaTsa kl iSaxaa pwit sadva hl PagaitSalla rhl h. [sa Aar PagaitSalla banaana ma Aar ek na[सोच प्रदान करने में भी ‘वाणी’ का स्थान अतुलनीय हो सकता है।

pi~ka k PakaSana ma sapadk Aar sapadk maDla kl Baimaka Ahma hatl h.va yah sainaiScat krt h ik ka[Bal esal saamagal PakaiSat na ha ijasasa iksal vyai@t ivaSaYa Aqavaa iksal vaga की भावनाओं को ठेस पहुँचती हो। समाज में सौहाद ka वातावरण अवतरित हो, इसी उद्देश्य के साथ वाणी अपनी विशेषता संजोए रख सकती h.

अंतत:, मैं सभी विद्याथियaa eva AQyaapk vaga ka]nak Payaasa k ilae haidk शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ और आशा करता हूँ कि यह पत्रिका आने वाले समय में saaihi%yak xa~ ma]cca EaNal kl pi~kaAa ma jaanal jaae.

लक्ष्मी कांत माहेश्वरी

laxmalkat maahSvarl

Ok.kh dk ;s lLdj.k dkQh u;s lz;klks ds QyLo:i vkids gkFkks es gS Nk=ks }kjk lzdkf'kr ok.kh dks lnS lLFkku dsf'k{kdks ls lg;ksx feyrk रहा है। इस बार भी वाणी कई शिक्षकों के सहयोग से लाभान्वित हुई, मेरा सभी को धन्यवाद।

fiykuh dh /kjrh ij fgUnh lkfgR; dh 'kq vkr 1965 में 'रचना' के रूप में हुई थी, और वाणी की जननी रचना ही है। रचना के संस्थापक श्री ठाकुर से किए गये वार्तालाप के अंश भी वाणी में lfEefyr gS

ekuuh; Jh ^कृ".k dqekj fcMykA th dh dgkuh vR;r lzjsd gS vnj dsi"Bksij bldk voykdu vo'; djs

१००वीं वर्षगाँB ij fgUnh lkfgR; ds jRu] ^fnudj* th dks J)ktfy;k vfiZ djrsgq mudh jE;-रचना 'रश्मि रथी' की कुछ पंक्तियाँ ok.kh dsi"Bkr esof.kZ gS if=dk esy{kdksdh lkfgfR;d jpukvksdksgh महत्ता nh x;h gS ikBdx.k ok.kh dsbZlLdj.k dk iBu ok.kh dsosclkbV ij dj ldrsgS lLFkku dsNk=ksdh कृतियाँ शुरू से ही ज्यादातर काव्य रचनाएँ रही gS bl ckj rksiw dkO;ky; gh cu tkrkA

ekxZ'kZu djusdsfy, ^ok.kh* fcV+ 1980 d{kk dsJh pUnu ,o Jh vuwi (सचिव, अंतराष्ट्रीय हिन्दी समिति) की भी आभारी हैं।

वाणी का उद्देश्य पाठकों की कलम की आवाज को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। पत्रिका का प्रकाशन सदैव इसी उद्देश्य से किया जाता रहे, यही मेरी dkeuk gS

fiNys lkikand vk{S esjs lzs.kk-स्त्रोत आलोक भ्राताश्री ने अपने शब्दों में वाणी से विलग होने का दुःख व्यक्त किया था। मैं ?.....ugh dj ldrk] 'वाणी' तो मेरे हृदय में बस चुकी है, दूर होने का तो प्रश्न ही नहीं.....A

Aapka

[sa Ak ma

ivaSaYa

ramaQaarI isah idnakr — janmaSatI pr ivaSaYa 28

Aa%makqaa

iptajaI na maaga idKayaa 21

najairyaa

ka[- @Iaasa nahI 8

svasqa samaw Aar KSahaIa samaaja - ek najairyaa 2

ipta 15

खट्टा -मीठा

ibaiTIsayana SaaIa 13

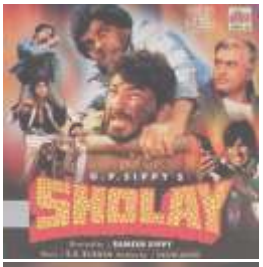

dpNa

जिन्दगी की रफ्तार - 120 ikmaIGaTa 12

संतुष्टि, खुशी...... और लक्ष्य 5

samaaja

अनपेक्षित अपेक्षाएँ 7

yaad

13 frvarI kI ek yaadgaar Saama 3

tIaaSa 38

काव्य संग्रह

mara ATIT ivaSvaasa 32

27 ka[- लौटा दे...

Sai@t Aar xamaa 28

30 जिंदगी - एक दिन

paYaaNa)dya [sa diinayaa mal 36

35 malga tIYNaa kI maainand

यूँ रहा फिजा में रंग नहीं 37

40 Aa Pakit kI klaakar

Eal rama 31

riSmarqal—pIYzal kI Ant mal

malaakat -ek ibaTisayana sa

sana 1965 में सुधीर ठाकुर व जय प्रकाश अग्रवाल नामक दो दोस्तों ने बिट्स में 'रचना' naamak maisak ihndl pi~ka kl Sa$Aat kl qal. 80 के दशक में उसी पत्रिका से 'वाणी' ka]dgama hAa qaa .

hala hl ma iSaxak ka $p ma vaapsa ibaTsa Aae Dao saQalr zakr sa hmana baatcalt kl.pSa h hmaarI [sa vaatalaap ka kC pmaK ASa :

1967: ibaTsa Ca~ saGa k canaava ma 7 vaaT sa saicava पद से हाथ गवाँ बैठा एक शख़्स । गौरतलब है, उस va@t kC 450 छात्रों की बैच हुआ करती थी, कुल 1800 वोट !

यह छात्र आज हमारे बीच पुन: उपस्थित हैं - एक शिक्षक के रूप में। 'क्या आपने कभी एक 'चोटी' धारी iSaxak ka POM की कक्षा लेते हुए देखा है?' यह शिक्षक हैं उक्त शख्स - श्री सुधीर ठाकुर (1965-1970)। दिसम्बर 2007 ma vaapsa बिट्स आने के बाद इनके बारे में 'वाणी' Aar]%sak tba h[, जब वाणी के एक सदस्य को श्री ठाकुर ने 'रचना' के baar ma batayaa . rcanaa ibaTsa kl phlal ihndl pi~ka qal. Eal zakr Aar]nak ima~ Eal jaya PakaSa Agavaala Wara ike gae Payaasa ka pirNaama qaa ik 1967 kl ek Saama IC (कैफेटेरिया) में 'रचना' (हिन्दी पत्रिका) का विमोचन किया गया, या यूँ कहे वाणी की नींव रखी gayal .

]sa va@t ibaTsa ma Ca~a Wara Agajal ma बिट्स-BEAT PakaiSat kl jaatl qal . [jalinayairga k Ca~ hl kvala [sak लिए लिख सकते थे, सो श्री ठाकुर एवं अन्य गैर इंजीनियरिंग छात्रों ने 'रचना' की शुरुआत की, फिर तो बस हिन्दी का बिट्स कैम्पस पर बहुत सम्मान हुआ - काव्य सम्मेलन, "maak pailayaamaT" (Eal zakr [sak phla saskrNa k raYTpit Bal qa) Aaid baht saarl गतिविधियाँ आज भी जीवित हैं ।

kd ma qaaD CaT hana k calat Eal zakr ka ima~gaNa 'SaaTI' नाम से सम्बोधित किया करते थे । 'शॉटी' के baar ma Aar jaanana k ilae ek Saama hma]nak saaqa चाय पर निकल पड़े - कैफेटेरिया लेशमात्र भी नहीं बदली esaa]nhana kha . ibaTsa k baad kl ijadgal k baar ma Apnal lambal khanal k kC ASa jasa ik Apna Wara Sa$ ike gae tlna vyavasaayaa k baar ma बताया, और ये भी कि किस तरह वे balt idnaa $sa ma Apna ima~ k व्यवसाय में हाथ बँटा रहे थे ।

kd ma qaaD CaT hana k calat Eal zakr ka ima~gaNa 'SaaTI' naama sa सम्बोधित किया करते थे । 'शॉटी' k baar ma Aar jaanana k ilae ek Saama hma]nak saaqa caaya pr inakla पड़े - ये कैफेटेरिया लेशमात्र भी नहीं बदली ......यहीं पर हमने रचना का ivamaacana ikyaa qaa.

hmaarl caaya K%ma h[Aar hma AaDI kl Aar sa inakla pD. [cCa h[Aar AaDI kl ek JalaK lana k ilae PavaSa ikyaa - हिन्दी ड्रामा क्लब उस वक्त अपने ड्रामा 'बेचारा मारा गया' के लिए अभ्यास kr rhl qal Aar Eal zakr na]nak saaqa कुछ बातें की - खुशी इस बात की हुइ ik ihndl ड्रामा उस वक्त भी उतने ही रोचक हुआ करते थे, जितने kl Aaja .

Eal zakr Aaja manajamaT gap k iSaxak k $p ma vaapsa Aakr kafl Pasanna h . ek GaT k [sa baatcalt k baad hmana Eal zakr sa ivada lal . ya qa 'वाणी' की जननी 'रचना' के जनक श्री सुधीर ठाकुर

ina$pma Aanad

रथ सजा, भेरियाँ घमक उठीं, गहगहा उठा अम्बर विशाल ,
kda syandna pr garja kNa ज्यों उठे गरज क्रोधान्ध काल ।

baja]z rar kr pTh-कम्बु, उल्लसित वीर कर उठे हूह ,
]cCla saagar-saa calaa kNa ka ilaya xabQa sainak samah .

स्वस्थ समृद्ध और खुशहाल समाज - एक najairyaa

Paa. विमल भानोत , EEE ivaBaaga

hma saba svasqa va samaw samaaja kI klpnaa ma Apnaa dinak kaya ike jaat h Aar ek nae]%saah sa jalvana को नया मोड़ देकर आगे बढ़ाना चाहते हैं, जिससे हम खुद भी स्वस्थ व खुश रह पाएँ और अपने आस-पास भी saba k idlaa ka Ct he]nh ek sa~ ma sandr maalaa की तरह पिरो पाएँ।

yah samBava kr pana k ilae hma drdiSata sa kama lakr na[नींव रखनी होगी, और हमारे दैनिक काय]sa nalva kI bainayaad haga. hma saba Apna Aap ka svasqa va KSa rK kr Apnal]nnait kr Aar Apna Aasapasa k samaaja kI tr@kI k ilae भी योगदान दें, जिससे हमारी आने vaala plZI ka hmasa Bal Aaga baZna ka]%saah imala.yah saBava krna k ilae jaa Bal hmaar saaqa आएँ, उन्हें साथ लेकर आगे baZnaa hagaa Aar Agar ka[saaqa न भी दे, तो अकेले ही अपने Aap ka उत्साहित रख नए रास्ते ढूँढ़ने होंगे, jaa AQar ka imaTa kr Aaga baZna ka विश्वास हममें कूट-कूट कर भर दें।

Aaja k maahala ka Qyaana ma rKt he Agar hma Aana vaala samaya ma [na tIna madda ka kidt कर पाए, तो हम सब आगे बढ़कर आसमान को छू पाएँगे। अब थोड़ा गहराइ sa dKna kI kaiSaSa kr kI ya tIna madd @yaa h ?

1. स्वास्थ्य,
2. छोटे बच्चों और उनकी माताओं का सम्मान,
3. AQaaQaQa maSaInaIkrNa pr ek rak lagaana kI AavaSyakta.

Aa[e Aba saba sa phla svaasqya k baar ma kC ivacaar kr. Saarlirk svaasqya va maanaisak svaasqya ek hI सिक्के के दो पहलू हैं, जैसे त्याग और उपलब्धि।

आइए, हम सब एकमत बैठें और Apna dinak jalvana ka [sa trh सवाँरें की हम सृष्टि से जुड़ पाएँ, अपने वातावरण से जुड़ पाएँ और अपने आप से जुड़ पाएँ। ऐसे]%saah sa jalvana jaina kI klaa hI स्वस्थ, समृद्ध व खुशहाल समाज की naIva hagaI.

maanaisak svaasqya k zlk rht hI hma Saarlirk svaasqya ka sahI]pyaaga kr pat h. Saarlirk svaasqya tBaI ठीक रह पाता है, अगर हमारा रहन-सहन अच्छे वातावरण में हो, जहाँ शुद्ध हवा व पानी और धरती माता से जो प्रसाद हमें भोजन के रूप में प्राप्त होता है, वो ibanaa dvaa[yaa yaa rsaayanaa sa pda ikyaa gayaa ha. maanaisak svaasqya hma tba hI zlk rK pat h jaba hmaar raja k kaya yaajanaanasaar ha.

]dahrNa k tar pr Kd ka dK ta Aaja hma जिस मुकाम पर हैं, ना जाने कितने ही लोगों के सहयोग की देन है। आइए, आज आप ही से पूछें कि आज आप जो भी हैं, उसके पीछे ikt na laagaa ka sahyaaga h. Sa$ के तीन-चार साल तो बस माता -पिता व परिवारजनों के सहारे ही बीत जाते हैं, Aar]sa samaya ka pair vaairk snah hI hma AcC saskara kI Aar Pairt krta h. jasa hma Apna pirvaarjanaa k Pait AaBaarI हैं, वैसे ही जैसे-jasa hma baD होते जाते हैं, हमें सृष्टि से,समाज से Aar

Apna Aap sa hr kdma pr sahyaaga imalata h और हमारे ऊपर एक दायित्व सौंप दिया जाता है, समाज ka kC ऋण अदा करने का। मित्रों, अगर हम आज नन्हें मुन्ने बच्चों को, चाहे वे धरती पर कहीं भी हों, अपने idla k pasa rK kr pala-pasa kr baDa krna ma safla ha jaat h ta Aana vaalaa kla saBal k ilae SaBa hagaa, Aar khI Agar hma Agala dsa pdh saalaa ma esaa krna ma safla nahI ha pat h, ta hma samaaja ka ivanaaSa kI ओर ले जाएँगे, ijasak pirNaama Bayaanak hI haga. आओ, आज मिल कर इस दिशा में आगे बढ़ें और अपने bajagaa k idlaa ka zsa na lagana d.

A=gaar–वृष्टि पा धधक उठ जिस तरह शुष्क कानन का तृण ,
sakta na rak Sas~I kI gait piHjat jasa navanalt masaNa .

यम के समक्ष जिस तरह नहीं चल पाता बद्ध मनुज का वश ,
हो गयी पाण्डवों की सेना त्योंही बाणों से विद्ध, विवश ।

Aba AaiKr ma kC [Saara vatmaana kl मशीनीकरण की अंधी दौड़ की तरफ है, और हम देख रहे h ik iva&ana Aar tknalk ka kC ma{l Bar laaga Apna inaya~Na ma lakr Apnal [cCaAa kl pit krnaa caaht h jaa ik tYNaa maa~ h Aar kBal prl nahl hagal. [sa samaya ihdstana ma saaz sa sa%tr PaitSat laaga kiYa आधारित गतिविधियों से अपनी रोज़ी-रोटी चलाते हैं और गाँवों में रहते हैं। मशीनीकरण की अंधी दौड़, जो आज हम देख रहे हैं एक तरफ गाँव के परिवारों को तोड़ रही है, क्योंकि जो काम गाँव में दस लोग मिलकर दो-tlna idna ma kr lat qa vahl ek maSalna da tlna GaTa ma hl कर देती है। इस कारण लोगों को गाँवों में काम मिलना bad ha gayaa h Aar]nh majabarna Sahra kl trf kama kl tlaaSa ma jaanaa pD rha h jaa saba ka nahl imala पाता। इस कारण से गाँव के परिवार टूट गये और शहर बस्तियाँ बनती जा रही हैं।

आइए, हम सब एकमत बैठें और अपने दैनिक जीवन को इस तरह सँवारें कि हम सृष्टि से जुड़ पाएँ, अपने वातावरण से जुड़ पाएँ और अपने आप से जुड़ पाएँ। ऐसे उत्साह से जीवन जीने की कला ही स्वस्थ, समृद्ध व KSahala samaaja kl nalva hagal.

13 f rvarl kl ek yaadgaar Saama

ek pva– ibaTisayana kl kalpinak ?— Pama kqaa -2001C6PS341

13 फरवरी की एक यादगार शाम, गंगा के किनारे सूय ixaitja sa imala rha qaa Aar imalakr Apnal PaBaa आकाश के सदृश, नीलवण lahra pr ibaKr rha qaa. पक्षी दक्षिण दिशा की ओर अपने घरों की ओर जा रहे थे, और मैं भी समस्त चिंताओं से दूर लेटा हुआ, एक ठंडी प्रशांतता में, जिसने मानो गंगा के पानी से उसकी ताज़गी उधार ले ली थी, इंतजार कर रहा था, सोनल ka .

हम अकसर यहाँ रेत पर सैर करते हुए बातें किया करते थे । आज उसने मुझसे यहाँ मिलने का वादा किया था । जैसे जैसे साँझ ढलती गयी , मैं खुद को कालेज के मीठे plaa ka yaad krna sa nahl rak payaa jaa mar idla sa jaD हुए थे .....

8 baja sabah mana isagarT jalaa[, डियोडरेंट से स्नान किया चेहरे को धोया, और काली जीन्स आर Dinama jakT phna kr Dansa @laba $ma kl Aar cala idyaa. jaba GaDl pr najar pDl ta dKa ik ma @laba 15 मिनट पहले पहुँच gayaa qaa . *mana $ma ma PavaSa krt he dKa ik saanala Aitma baca pr bazl iKDkl sa baahr dK rhl qal .]sak baala iKDkl sa Aa rhl hvaa k saaqa nakya kr rh qa . iktnaa maahk dSya qaa .*

jasa jasa ma]sak pasa calata gayaa Apna)dya ka tjal से धड़कता हुआ महसूस किया, और ऐसा लगा कि किसी na marl saarl Sai@t Clna lal ha. [sa kmajaarl kl kaiSaSa k saaqa kha ***hi !!***

hi !]sana ek Ajalba sal maskana k saaqa javaaba idyaa.

how are you ? mana pCa.

Fine… .and you?

Fine…mana gala ka saaf krt he kha .Aar]sak बाद एक नितांत मौनता छा गयी, और मैं उसे उगते सूरज kl ikrNa k saaqa Klata hAa dKta rha . ifr mana baalana ka inaScaya ikyaa Aar]na PaSnaa ma sa ek jaa ma साइकिल चलाते वक्त सोचता हुआ आया था, पूछा "*What's your discipline?*" [sa baar marl Aavaaja jyaada ma~lpNa qal .

" मैकेनिकल"]sana marl Aar maDt he trt]<ar idyaa. *"and how long u have been dancing".* [sa PaSna ka]<ar kafl lambaa qaa.]sana maJa batayaa ik ksa]sak ipta na bacapna sa hl]sa nakya kl ParNaa dl, @yaaik vaa Kd ek natk qa. vaa kafl]jaa k साथ बोलती रही, अपनी उपलब्धियों के बारे में, Aar ma सुनता रहा, जब तक कि क्लब के बाकी सदस्य डांस AByaasa k ilae nahl Aa gae.

saanala Aar mara Dasa @laba k AaDlSana ma cayana hAa qaa Aar Aaja hmaara phlaa AByaasa sa~ qaa. hmaar saaskitk kayakram 'तरंग' के लिए गीतों का

Baagana laga narvalr CaD vah idSaa ijaQar Bal Jaka kNa ,
Baaga ijasa trh lavaa ka dla saamana dK raYaNa sapNa !

'रण में क्यों आये आज ?' लोग मन-hl-मन में पछताते थे ,
दूर से देखकर भी उसको, भय से सहमे सब जाते थे ।

ma qa. ya phlal baar qaa jaba, mana]sasa baat kl qal. mana]sak)dya ma]sa saadgal Aar maasaimayat ka AnaBava ikyaa, jaa phla iksal Aar ma nahl ikyaa qaa. hlkl भूरी आँखें, और उनमें भरा पानी... उसकी सुंदरता को inaKar kr saanaa kr dta qaa. Sa$ sa hl vaa kafl imalanasaar qal. samaya baltta gayaa Aar hmaarl dastl Dasa AByaasa k karNa kafl gahrl ha gayal . AByaasa k दौरान और बाद में, हम काफी वक्त साथ गुज़ारा करते। kBal Saama ka saaqa ma sarsvatl maidr, kBal knaaT, और कभी कभी बस यूँ ही। hrk Sainavaar kl Saama hma *"gaMgaa तट"* pr basa GaTa BamaNa ikyaa krt, जब तक कि चाँद निकल आता...... और मानो हमें लौट jaana ka [Saara krta. Apna pirvaar, dasta, [cCaAa, आदतों... Aaid saba k baar ma hma baat ikyaa krt. mana]sa nahl batayaa ik ma *smoke* करता हूँ, क्योंकि मुझे मालूम था कि उसे यह psad nahl Aar ma Apna [sa dast ka Kanaa nahl caahta qaa.

mahal]sak)dya ma]sa saadgal Aar maasaimayat ka AnaBava ikyaa, jaa phla iksal Aar ma nahl ikyaa qaa. hlkl Barl आँखें, और उनमें भरा पानी...]sakl saudrta ka inaKar kr saanaa kr dta qaa.

rahla, tma kafl AcCa Dasa kr lat ha, lagata hl hasTla ma kafl AByaasa krt ha ?

" हाँ करता तो हूँ ………..” ***AcCa yah bataAa तुम कल 'वैलेन्टाइन्स डे' पर क्या कर रही हो ?*** mana Kd ka AaScayaa sa ya baalat he payaa. **"कुछ भी नहीं……… मैं अकेली हूँ "**]sana ihcaikcaat he kha … **"Aar rahla tmana kBal Apnal galafफ्रेन्ड के बारे में nahl batayaa** –*"Not fair Haan"*

हमारी आँखें लेकिन, एक दूसरे को देखती रहीं, मानो कहीं और देखना ही नहीं caahtl ha. ma dKta rha Zlat he sarja kl]na किरणों को जो उसकी आँखों से परावर्तित ha gagaa tT pr igar rhl qal Aar hma danaa calat rh.

mana kha ***मैं कल किसी को प्रपोज़ कर रहा हूँ , kal[jaa mar kafl krlba h .*** mana ek inaScayapNa maskana k saaqa kha. saanala jaanatl qal ik ma kalaja ma baht kma laDikyaa ka jaanata qaa.

'Kriti' jaa ik marl ekmaa~ *city-mate* qal,]sak Alaavaa kvala saanala ka hl ma AcCl trh jaanata qaa. **"Hey Rahul ! Is it Kriti?"**]sana Anajaana banana kl kaiSaSa krt he kha.

'Kriti' No way plzz vaa ta AiBaYak kl h. mana rhsya ka Aar Kalat he kha.

mana [sa valanTa[na D sa phla kBal]sasa baalana kl nahl सोची थी। उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी, ये भी नहीं सोचा था। कइ प्रश्न मन में आ रहे थे………

tBal zDl hvaa k Jaak cahr pr rakt he]sana Apna baalaa ka Apna cahr sa hTayaa, qaaDa saa Qalr hat he]sana pCa-" **rahla who is it?"** @yaa hmaar kalaja sa h ? maana laa vaa maJasa rhsya ka Klavaanaa caahtl qal.

हाँ, मैंने धीरे से कहा और इसी बीच, हमारे कंधे हल्के से छू गये, उसका पता नहीं पर मेरे बदन में तो एक करंट daD gayaa. **U cheater tmana kBal maJa [sa baara ma नहीं बताया…………**

Aaja kl Saama hma saamaanya sa qaaD jyaada dr tk calat rh, yah ek esal yaadgaar Saama qal, jaa ijadgal Bar mar saaqa rhgal. phlal baar mana]saka haqa pkDa, vaa AaScaya caikt ta h[, pr]sana kBal Apnaa haqa vaapsa nahl Klcaa. k[baar hma danaa k badna C jaat. cada maamaa na ek baar ifr hma danaa ka batayaa ik jaana ka va@t ha caka qaa.

laaTt va@t]sana pCa- **राहुल, एक personal calja पूछूँ…..**

mana hranal sa kha, ***Sure…….***

kaTta hAa rNa–विपिन क्षुब्ध, राधेय गरजता था क्षण-xaNa .
sana–सुन निनाद की धमक शत्रु का, व्यूह लरज़ता था क्षण-xaNa .

अरि की सेना को विकल देख, बढ़ चला और कुछ समुत्साह ;
कुछ और समुद्वेलित होकर, उमड़ा भुज का सागर अथाह ।

"Why do you smoke so Much?"

[स सवाल ने मुझे स्तब्ध कर दिया। मैं जड़वत खड़ा रहा, Aar maanaa hvaa mar baalaa ka maJasa Clnana ka Payaasa krna lagal. *नो...... नहीं... I mean not much......* *basa kBal kBaar,* mana savaala ka najarAdaja krna kl bakar kaiSaSa kl, *ek baar ifr पहली मुलाकात की तरह, मैं उसकी मासूमियत का कायल ha calaa qaa.*

"झूठ मत बोलो राहुल, अभी भी तुमसे बदबू आ रही है।" मेरी शट kl trf dKt he]sana kha- **dKa तुम्हें झूठ बोलना भी नहीं आता.........।** और वह हँसती rhl. mana *Wills Classic* k]sa labala pr najar Dalal jaa mar pardSal पॉकेट से साफ दिख रहा था......... मैं bavakf !

मैं छोड़ना चाहता हूँ laikna,.........

हाँ......लेकिन छोड़ नहीं पाते हैं ना। पर मैं जानती हूँ, tma CaD, sakaga.

ma]sak cahr pr saccaa[saaf dK rha qaa.]sa idna sa mana smaak nahl krna ka inaScaya ikyaa. ma]sak ilaya kC Bal kr sakta qaa. ma]sakl Aar dKta rha Aar]saka haqa pkD kr hasTla kl Aar calata rha.

rahla,]sana caPpl ka taDt he kha .....

"हाँ" Apna inassalma ivacaara ma Dba he mana]%tr idyaa.

"तुम्हारा हॉस्टल उस ओर है। अब मैं चलती हूँ।"

"हाँ, हमें चलना होगा।"

mana GaDI pr najar Dalal 10:55, 5 imanaT baakl qa हॉस्टल के गेट बन्द होने में । मैंने निश्चय कर लिया, Apnal samast }jaa baTarkr mana Bagavaana ka yaad ikyaa, रुकना अब संभव नहीं था। ' सोनल' ***I LOVE YOU*** *ma]saka haqa pkD he,* *बिना कुछ सोचे, Qaara Pavaah baalata gayaa- phla idna sa, jaba mana tmh Dasa @laba k AaDISana ma dKa . phla lagaa saamaanya sal baat h.....बाद......... बाद में मैं सिफ Dasa AByaasa ka इन्तज़ार करता था, ताकि उसके खत्म होने पर तुम्हारे साथ मंदिर तक चल सकूँ। हर शनिवार का इंतजार करता, ताकि गंगा किनारे तुम्हारे साथ टहल सकूँ। मैं स्मोक करता हूँ, लेकिन... मैं छोड़ दूँगा...... बस मुझे बता दो कि तुम भी...... pleeese*

mana ibanaa kC saaca samaJa Apna Baagya pr Barasaa kr]sa saba kC kh Dalaa. ma 'वैलेन्टाइन डे' के लिए भी अब नहीं रुक सकता था। kC pla k ilae hma danaa cap ha gaya . isaf Apnal साँसों की आवाज मुझे सुनाइ d rhl qal.

Acaanak ...]sana Apnaa haqa CDa ilayaa Aar Apna hasTla kl Aar cala dl. ma]sak]%tr kl PatIxaa kr rha qaa. vaa hasTla k mana gaT ma PavaSa kr gayal, ek baar Bal maD kr dKna kl prvaah tk nahl kl, ma jaDvat KDa qaa, वो अपने रूम की ओर मुड़ रही थी, Aar ma isaf hasTla kl dlvaara pr laga plla rga ka dK rha qaa.

वो अचानक पीछे मुड़ी, उसकी आँखें गीली थीं। मेरी Aar dK kr vaa maskra[Aar ... **हाँ**

-rajana ivaSva rljana
'कुमार किम'

संतुष्टि, खुशी...... और लक्ष्य .

2003A7PS050

शायद मैं प्रथम बार कोई दार्शनिक लेख लिखना आरंभ कर रहा हूँ.... कारण तो मैं भी नही जानता किंतु एक बात जरूर जानता हूँ, "बिप्रविस के अन्दर और बाहर परिवर्तन होता है - बौद्धिक स्तर पर, मानसिक स्तर पर, और इससे बढ़कर आत्मिक स्तर पर !!!"

खुद से एक प्रश्न पूछना है मुझे - क्या मैं खुश हूँ ? जो एक और शंका को उद्धृत करेगा - क्या मैं संतुष्ट हूँ ? और इन दोनों प्रश्नों से परोक्ष रूप में जुड़ा हुआ - मेरा लक्ष्य क्या है ? तीनो शब्द संतुष्टि, खुशी और लक्ष्य प्राप्ति एक दूसरे के सह पर्याय होते हुए भी अलग अलग राहों पर चलते हैं और इनका मेल ही वह अवस्था होती होगी जिसे साधक तृप्ति कहते हैं। कभी-कभी सोचता हूँ कि कथनों का अलग - अलग होना कितनी सार्थकता

garjaa ASa=k ha kNa, "शल्य ! देखो कि आज क्या करता हूँ ,

बस, आज शाम तक यहीं सुयोधन का जय-तिलक सजा करके ,

प्रदान करता है, उदाहरण स्वरूप "संतोष ही सबसे बड़ा धन है" तथा "अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सदैव अग्रसर रहो" | अब मैं दोनों को मिला देता हूँ तो सबसे पहले प्रश्न उठता है कि क्या लक्ष्य प्राप्ति संतुष्टि है ? यदि हाँ तो उस स्थति में फिर क्या जब आप इस अवस्था को प्राप्त कर लोगे ! यदि मैं ख़ुद से पूछूं तो जवाब आता है कि कोई और लक्ष्य बनाओ क्यूंकि स्थिर होना कभी सुख नही दे सकता | मैं ख़ुद को समझाने का प्रयास करता हूँ कि 'कम से कम कुछ देर के लिए मैं स्थिर होना चाहता हूँ क्यूंकि जिस संतुष्टि के लिए मैं प्रयासरत था, उसका दीदार करना चाहता हूँ मैं ताकि कुछ पल के लिए तो खुश हो सकूं | मन मना करता है ...अहम् ज़ोर डालता है और आखिरकार 'मैं' जीत जाता हूँ | नहीं रुको !! ये क्या ....शून्य.......मैं खुश नही हूँ, मैं संतुष्ट हूँ लेकिन भूतकाल के लिए !! और लक्ष्य वो तो पुरातन हो गया | मेरे पास अब कुछ भी नही है | मैं फ़िर सोच में पड़ जाता हूँ कि क्या तीनों सोपानों का समागम नहीं हो सकता ? मैं जितना सोचता हूँ उतना ही उलझता जाता हूँ | चलिए छोड़िये | मैं दूसरे विकल्प पर आता हूँ अर्थात मैं लक्ष्य प्राप्ति नहीं कर पाता | अब मैं जबरन मन को संतुष्ट करता हूँ ,खुश होने का दिखावा करता हूँ और शायद अपनी कमियों को आवरित करने का प्रयास भी करता हूँ | क्या मैं संतुष्ट हूँ ? हाँ (दबाव से) , क्या मैं खुश हूँ ? नही (स्वभाव से), लक्ष्य ? उसका तो सवाल ही पैदा नही होता ...उफ़ अब मैं और उलझ गया हूँ!

अब अचेतन मन ही मुझे बचा सकता है | चेतन मन विचारों का उलझाव और भटकाव था |

तीनों शब्द संतुष्टि, ख़ुशी और लक्ष्य प्राप्ति एक दूसरे के सह पर्याय होते हुए भी अलग अलग राहों पर चलते हैं और इनका मेल ही वह अवस्था होती होगी जिसे साधक तृप्ति कहते हैं

हाँ आवाज आ रही है ....कुछ आवाज आ रही है ...अचेतन मन कह रहा है ...."लक्ष्य एक नही होना चाहिए एक परम और दूसरा 'लक्ष्य रहित पोटली ' | थोड़ा सोचूं तो कुछ समझ में आ रहा है | साधारण शब्दों में कहा जाए तो 'बड़ी खुशी का इन्तज़ार करो और इस आहुति में छोटी खुशियों को क़ुर्बान मत करो' ये छोटी खुशियाँ क्या हैं ? सामान्य जीवन की छोटी छोटी बातें - किसी के लिए चाय का एक प्याला, किसी के लिए मधु हाला | इनको लक्ष्य बनाकर लक्ष्यरहित पोटली की तरह प्रयुक्त करो जिससे लक्ष्य प्राप्ति का दबाव भी ना आए | बड़ी खुशी क्या है ? शायद चरणबद्ध लक्ष्यों की एक श्रृंखला ...एक लड़ी जिसका आरंभ तो है लेकिन अंत नहीं | एक बड़ी खुशी मिलने पर उसे लक्ष्य रहित पोटली में डाल दो और एक नई बड़ी खुशी के लिए प्रयत्न करो | अरे हाँ कितनी सही बात है !! स्थिरता का बोझ भी नही है संतुष्टि का भूतकाल भी नहीं है | लक्ष्य प्राप्ति भी मानो भरकर है और 'खुशियाँ' वो तो जैसे बिखरी पड़ी हैं | अब मैं सबको जोड़ सकता हूँ ..लेकिन उससे पूर्व एक बात कहनी होगी...लक्ष्य प्राप्ति में खुशी नही है ! उसके लिए कंटक राह पर चलने में खुशी है | प्राप्ति तो अंत है और अंत सदा जड़ होता है | अब लक्ष्यों का कोई अंत नहीं होगा और खुशियों का भी | संतुष्टि ???? क्या वास्तव में अब इसकी आवश्यकता है ? शायद मैं कुछ ग़लत कह रहा हूँ ..हाँ ....नही ....लक्ष्य, खुशी मिलकर सुख में परिणत हो गए हैं और सुख एक सार्वभौमिक अवस्था रहेगी जब तक की आप उसे रहने देना चाहते हों। ....

वैभव रिखाड़ी
सिमैंटेक, पुणे
पुर्व वाणी सदस्य

[tna ma kiTla inayait–Pairt pD gaya saamana Qamaराज ,
TTa ktant–saa kNa, कोक पर पड़े टूट जिस तरह बाज़ ।

लेकिन, दोनों का विषम युद्ध, क्षण भर भी नहीं ठहर पाया ,
सह सकी न गहरी चोट, युधिष्ठर की मुनि–कल्प, मृदुल काया ।

अनपेक्षित अपेक्षाएँ

Da0 संजीव कुमार चौधरी, भाषा ivaBaaga

‘ilaiTla campsa, छोटे बच्चों की बड़ी हलचल’ का एक eplsaaD . ek PaitBaagal jaa kBal Bal Paityaaigata sa iksal Bal karNa baahr nahl h[, और प्रथम पाँच में पहुँच ga[h tqaa Aaja Paqama caar ma jaana kl saBaavanaa rKtl है, क्योंकि जनता के वोट में भी वह कभी ‘बी’ ग्रुप में nahl ga[, अचानक प्रतियोगिता से बाहर होने की घोषणा krtl h. Aayaajak tqaa klaa k parKl nyaayaQaIsa]sakl GaaYaNaa sanakr stbQa rh jaat h. kafl pCna pr PaitBaagal kvala [tnaa batatl h ik vah Apna iptajal k saaqa vasaa hat nahl dKnaa caahtl jaa ek Anya PaitBaagal k iptajal k saaqa hAa. pta calaa ik ipCla eplsaaD ma ek PaitBaagal k Paityaaigata sa baahr hana kl Kbar sanakr]sak iptajal ka haT ATk ha gayaa Aar va kafl gaBalr स्थिति में अस्पताल में जीवन-मृत्यु के संघष में फँसे हैं । प्रतिभागी की माँ, जो उस kayaक्रम में उपस्थित थी, ने अपनी पुत्री को काफी समझाने का प्रयास किया। उसने यहाँ तक कहा कि]sak iptajal ka]sak [sa inaNaya sa kafl kYT hagaa Aar yah kYT]sak Paityaaigata sa baahr hana k kYT sa khl Aar AiQak hagaa. prnt vah nahl maanal.]sana Ant tk yahl rT lagaae rKl ik vah Apna iptajal ka iksal Ktr ma nahl Dalanaa caahtl tqaa vah]nhl Apna [sa inaNaya ka svalkar krna k ilae manaa lagal . GaTnaa ta kafl CaTl sal lagatl h prnt yah ek baht hl gaBalr samasyaa kl Aar Qyaana AakYT krtl h . ABal tk ta hmana kvala yah sanaa qaa ik k[Ca~ prlxaaAa k Kraba pirNaama Aana pr Aa%mah%yaa tk kr lat h @yaaik]sak pirvaar vaala]sasa AiQak kl Apxaa rKt qa. वह अपने माता-पिता के सामने जाने से डरकर yaa samaaja ma Apnal badnaamal k Dr sa kzar kdma kl Aar Agasar ha jaata h. [na pirisqaityaa ma hma sada hl kht हैं कि माँ-बाप को अपने बच्चों से बहुत अधिक की अपेक्षा kr]sa pr maanaisak dbaava nahl Dalanaa caaihe . prnt esal isqait ma @yaa khga जब माँ-बाप खुद ही अत्यधिक मानसिक दबाव में हों ? [sa Pakar k dbaava ta vah Kd hl Apna ilae tyaar kr lat h . AaiKr yah dbaava banata hl क्यों है ? जब माँ बाप यह सोचं na lagat h ik]naka hl baccaa dinayaa ma savaEaYz h tqaa vah saarl saflataAa ka hkdar h ta vah सही-गलत का आकलन करना भी भूल jaat h . Apna baccaa kl saflata kl Kaitr sahl galat saBal maaQyamaa ka]pyaaga krnaa AarBa kr dt h Aar jaba [na sabak baavajad Apna bacca ka savaEaYz nahl pat ta va gaBalr maanaisak dbaava k iSakar ha jaat h Aar pirNaama hata h)dyaaGaat yaa Aa%mah%yaa .

> ***baccaal k maanaisak dbaava ka ta माँ-बाप दूर कर सकते हैं पर उनके Kd k maanaisak dbaava ka jaa va खुद बनाते हैं , कौन दूर करे? क्या bacca Paityaaigata ma [silae Baaga lanaa CaD, d ik khl Asaflata की सूचना से उसके माँ-बाप पीड़ित न हो जाएँ ?***

बच्चों के मानसिक दबाव को तो माँ-बाप दूर कर सकते हैं पर उनके खुद के मानसिक दबाव को जो वे खुद बनाते हैं , कौन दूर करे? क्या बच्चे प्रतियोगिता में इसलिए भाग लेना छोड़ दें कि कहीं असफलता की सूचना से उसके माँ-बाप पीड़ित न हो जाएँ ? आखिर बच्चों में इस प्रकार की भावना उत्पन्न होने के लिए कौन है जिम्मेदार - माँ-बाप या फिर बच्चे ?

प्रश्न मेरा जवाब आपका ।

भागे वे रण को छोड़, कर्ण ने झपट दौड़कर गहा ग्रीव ,
कौतुक से बोला, “महाराज ! तुम तो निकले कोमल अतीव ।

हाँ, भीरु नहीं, कोमल कहकर ही, जान बचाये देता हूँ ।
आगे की खातिर एक युक्ति भी सरल बताये देता हूँ ।

ka[@laasa nahl

Paao e0 pl0 saaz
pva–iSaxak ibaTsa EEE

Aajakla iSaxaa PaNaalal ma badlaava k Payaasa baD jaara pr h. Par ya saar Payaasa ha[skla yaa ifr dsavaI kI prIxaa ka lakr h.]cca iSaxaa BaI iksal trh k badlaava kI PatIxaa kr rhl h. nasakama k Anasaar AiQaktma snaatk Ca~ Baart ma naakrl pr rKna laayak nahl h @yaaik]nh vaa nahl Aata jaa ja$rl h. esal isqait ma]cca iSaxaa ma Aamalacala pirvatna hanaa hl caaihe. pr dsarl trf lagaBaga samaana trh kl PaNaalal vaala ibaTsa va Aa[o Aa[o Tlo jasa sasqaanaa sa esa ivaVaqal inakla rh h ijanakl pC ivadSal baajaar ma Bal h. esal isqait ma Paao esao plo saaz ek esal AdBat PaNaalal kl vakalat krt h jaa danaa - Ca~ Aar kpinayaa - k ilae fayadmad ha. Paao saaz Aa[o Aa[o Tlo, maba[sa [lai@Tkla ma snaatk Aar kalaibayaa ivaSvaivaValaya sa Ph.D h.]sak baad ibaTsa - iplaanal sa]nhana Apna iSaxaNa kiryar kl Sa$Aat kl Aar [isTTyaT Aaf सायंसेज, मुंबइ k inadSak bana kr savaainava<a he.

Paao saaz ka maaDla]nak vaYaa k SaaQa Aar AnaBava pr AaQaairt h.]nak maaDla ma la@car kl ka[jagah nahl h. hr Ca~ k salKna kl गति एक समान नहीं होती, इसलिए एक la@car sa kana iktnaa salK rha h ka[Adajaa nahl lagaa sakta h.]nak Anasaar [sasa Paafsar Aar Ca~ danaa ka va@t babaad hata h. isaf Ca~a ka kasa kl saamagal]plabQa kra dnal caaihe Aar iSaxaka ka kvala samasyaa ka samaaQaana krnaa caaihe. [sasa k[fayad haga. ek yah ik laaga]nhl iSaxak k pasa jaanaa caahga jaa AcC haga. yah ek trIk ka gaNavaa<aa maapdND ha sakta h. dsara [sa trh kma Paafsara kl ja$rt hagal Aar [sasa ka[naksaana BaI nahl होगा।जहाँ हमारे देश में उच्च शिक्षा में अच्छे शिक्षकों की कमी है, ये उस दुविधा को भी दूर करेगा।

pr savaala yah KDa hata h ik jaba ka[na pZ ta @yaa ikyaa jaae ? Paao saaz prIxaa k विरोधी नहीं हैं, लेकिन वे प्रचलित तरीके से संतुष्ट भी नहीं हैं। इसके लिए भी उन्होंने नायाब तरीके ढूँढे हैं। prIxaa k ilae]nhana ek PaSna bak banaana kI vakalat की है। हर रोज परीक्षा होगी। आप जिस दिन तैयार हों, जाकर दे दें। कुछ सवाल उसी प्रश्न बैंक से दिए जाएँगे जो कि लॉटरी से निकाले जाएँगे। इस तरह आपको maalama h ik @yaa Aana vaalaa h Aar Aapsa @yaa Apixat है। अब आप साबित करके दिखाएँ, कितना दम है Aapma. yah PaSna bak ivaSaala hagaa jaa saar jaana maana Paafsara Wara imalakr banaayaa gayaa hagaa. [sak BaI k[फायदे हैं, जैसे कि कम संख्या में उपलब्ध प्रश्न बैंक का लाभ ज्यादा लोग उठा पाएँगे। फिर, जो कंपनियाँ प्लेसमेंट में आएँगी वो सीधे-salQa ya bata sakgal ik ijasana BaI [na-[na caljaa ma maasTrl haisala kI h vaa [sa kpnal ma Aa sakt h. Agar ka[ivaYaya iksal ka kma yaa nahl psad h ta vaa]sama Aasaana PaSna bak ka [stmaala kr sakta h. Aa[iDyaa yah h ik सबसे कठिन प्रश्न बैंक ग्रेड 'ए' के लिए होगा, उससे आसान ग्रेड 'बी' और इस तरह। अगर ग्रेड 'ए' चाहिए ta]sa bak kI prIxaa ma sa$tr PaitSat sa अधिक अंक लाने होंगे। इस तरह, जिसको jaa caaihe vaa imalagal salKna k samaana Avasar k saaqa.

Paao saaz k jalvanaBar k AnaBava ka [tna ma samaTnaa naamamaikna h. pr }pr ilaKI baat]nak SaaQa ka saar ja$r khl jaa saktl h. ABaI kI iSaxaNa PaNaalal ma [tnaa badlaava ekdma sa saBava nahl h.laikna इनमें से कुछ चीजों को तो लागू किया ही जा सकता है, kma sa kma Paayaaigak tar pr ta inaiScat hl ikyaa jaa sakta h. [sa maaDla sa prl]cca iSaxaa PaNaalal ma क्रांतिकारी परिवतमा laaya jaa sakt h Aar BaivaYya kI]mmald idKa[dtl h.

> **]nak maaDla ma la@car kI ka[jagah nahl h. hr Ca~ k salKna kI gait ek samaana नहीं होती, इसलिए एक la@car sa kana iktnaa salK rha h ka[Adajaa nahl lagaa sakta h.**

"हैं विप्र आप, सेविये धम, तरु–तले कहीं, निजन वन में ,
क्या काम साधुओं का, कहिये, इस महाघोर, घातक रण में ?

मत कभी क्षात्रता के धोखे, रण का प्रदाह झेला करिये,
जाइये, नहीं फिर कभी गरुड़ की झपटों से खेला करिये ।"

ka@vasT 2008 : svaavalaibata ka idigvajaya AiBayaana

Conquest ibaTsa iplaanal kI trf sa ek safla kaiSaSa h yavaavaga को एक ऐसा मंच देने की, जहाँ से उनकी बिजनेस योजनाएँ अंतराYTIya str pr malyaaikt ha Aar]nh ek safla vyavasaaya ma piriNat krna k ilae Aaiqak eva vacaairk sahayata imala .

saTr far [TrPanyaairyala laIDriSap Wara Conquest 2008 आयोजित बिजनेस प्लैन प्रतियोगिता का पाँचवा संस्करण था। हालाँकि con-

quest ka PamaK $p ibaTsa kI janata ka 8 Aar 9 maaca ka देखने को मिला, परंतु conquest Paityaaigata ka EalgaNaSa idsabar 2007 ma hI ha gayaa qaa. Paqama carNa ma ivaSva k kana kana sa 138 प्रविष्टियाँ आयोजकों को मिली (कनाडा, घाना, रूस, स्पेन, अमरीका, इंग्लैंड, सिंगापुर, saya@t Arba Amalrat sa BaI प्रविष्टियाँ आइं थीं)। अंतिम 6 PaitBaaigayaa ka]Vaga eva vyaapar jagat k caaNa@yaa sa inajal maagadSana imalaa.

Conquest 2008 k Atgat Aayaaijat kayaSaalaaAa ma Eal jal esa के वेलु, जो चिकित्सा क्षेत्र में एक सफल व्यवसायी रह चुके हैं, ने अपने अनुभव janata k saamana rK. Baart ma]darIkrNa k yaga ma baZt h[व्यापार के आयामों पर भी एक उत्कृष्ट परिचचा h[, ijasama vyaapar tqaa]Vaga jagat k piDt maajad qa.

Conquest 2008 में विजेता का खिताब 'वीटा पेराक्टा'नाम की टीम को गया। अमरुत, वरूण, रजत एवं सिंधु - जिन्होंने यह बिजनेस परियोजना रखी थी, बिट्स पिलानी के हीं छात्र हैं। दूसरा पुरस्कार भी बिट्स iplaanal k flina@sa ka gayaa.

इन्टरफेस स्मृतियाँ

@yaa Ca~a ka esaa lagaa ik ifr sa ek baar manajamaT k Ca~a na [nTrfsa ka Aayaajana krayaa h ? बिल्कुल नहीं, बिट्स में बीते वषो ma yahl dKa gayaa h ik [nTrfsa yaaina ek saPtahat pr Aayaaijat ike gae kC [vanTsa. prt [sa baar Agar Aap kmpsa ma jara saa BamaNa kr लेते, तो कुछ नही तो 7-8 [nTrfsa k banar eva]sk Paayaajaka k banar pr ja$r Qyaana jaata.Aba yah **"हिन्दुस्तान पेट्रोलियम्"** eva **"आ इडिया"** जैसे प्रायोजकों का असर था, या कोइ और कारण, पता नही @yaa janata na "भावना" को समझ लिया और कुछ इवेन्ट्स पर तो ऐसे टूट पड़ी कि आयोजकों को Apnal enTI/ band krnal pDl.

8 frvarl ET में मुख्य अतिथि श्री एस के जिन्दल, श्री के इ rmana eva manajamaT gap lalDr Eal Ainala BaTT na dlp Pajjavailat kr [nTrfsa ka SaBaarBa ikyaa. rat 9 baja Panala iDskSana Aayaaijat ikyaa gayaa. Agalal sabah ppr Pastit iDbaT Aaid हुए। इन्टरफेस के आखिरी दिन सारे इन्टरफेस के फाइनल चक, **"फाटीट्यूड"** naamak नया इवेन्ट, पहली बार आनलाइन हुआ **"फारेक्स"** Aar prskar ivatrNa samaarah he. इन्टरफेस का आयोजन, मुख्यत: tlnaa manajamaT @laba **HR, Finance eva maakटिग,** k sadsyaa eva Anya k Aqak Payaasa ka fla qaa. krlba 10 कालेजो से बाहरी छात्रों का आना, एवं विज क्विज में accenture kl Tlma ka जीतना, डिबेट मे 'फेवर' के बजाए, किसी टीम का विपक्ष में बोलना या फारेक्स के पहले आनलाइन 'कोड' का डगमगाना, सामान्य बात । कुछ खट्ठा, पर jyaadatr malza [nTrfsa - 08 hmaar Sabda ma baala तो एकदम मस्त!!!

tknalkl &ana Sai@t : उपयोगिता एवं अपेक्षाएँ

डॉ.विनोद कुमार चौबे
ग्रुप लीडर,'EEE' ivaBaaga
ibaTsa iplaanal

&anaSai@t ka Aaklana Sabda yaa laKna Wara krnaa कितना उपयुक्त होता है, यह तो पाठक की मनन शक्ति k sahar CaDnaa hl]icat rhta h.Apna Ca~a k Aagah pr kC inajal ivacaara ka klamabaw krna ka प्रयासरत हूँ, इसी आशा में कि विचारशील व क्रियाशील pazk ilaiKt Sabda ka PaBaavaSaalal $p ma Anavaaidt kr Apna ikya gae Anagah pr pScaatap nahl krga. &ana prma bala ta savaivaidt h Aar saBavat: tknalkl &ana prma bala ka salaBa Aar samagala banaakr prmaSvar ASa ka AaBaasa kra dta h. hmaarl मौजूद भौतिक, अभियांत्रिक व Aayaivaज्ञान उपलब्धियाँ, Amar%va kl Aar Agasar कदम, आकाशीय स्वच्छंद विचरण, प्रकृति के रहस्यों में prt dr prt PavaSa yaa Anavart Pagait Pavaah]sal &ana Sai@t k Qarl pr kayama h.yahl &ana Aaja hmaar jalvana va samaaja k hr phla ka आलोकित करता है, चाहे हमारे भौतिक उपयोग का क्षेत्र हो, सामाजिक विकास का मामला ha yaa maSalnal AaivaYkara k pirmajana ka xa~ ha.

Aaja va&ainak va tknalkl &ana की उपयोगिता, प्रयोगों की सीमाओं से ऊपर आकर, समाज व प्रकृति को समरूपता प्रदान करने की हो गयी है। सूचना प्रौद्योगिकी व संचार सुविधाएँ कुशल तकनीकी &ana yaa]nakl]pyaaigataAa ka dinayaa k iksal Bal कोने में मुहैया करा सकती हैं। सभी संभव सुविधाएँ व tknalk rht he Bal pqval k AiQakaSa ihssa k laaga अभी भी मूलभूत ज़रूरतों से वंचित रह जाएँ, ta va&ainak va tknalkl &ana ka @yaa Aaicaa%ya, [saka saaqak]pyaaga ta vaicat laagaa ka Bal ijadgal kl ma#ya Qaara sa jaaDna ma hl inaiht h. @yaa yah [tnaa Aasaana h jaa ik hma Aaja [@klsaval sadl ma Aakr Bal esaa saaca rh हैं। निस्संदेह मात्र सुविधाएं पहुँचाने, बांटने से ही सभी सुखी नहीं हो जाएंगे ,वहाँ तो उसी ज्ञान, सोच व पुरुषार्थ ka बीज डालकर पौध सींचने की जिज्ञासा उत्पन्न कराना होगा, SaYa ta svat: hl ha jaaegaa. [sa imaSana ma kmaठ, योग्य, laganaSalla va क्रियाशील लोगों की भूमिका अपेक्षित रहेगी।

> jaba ma ibaTsa k ivaVaiqayaa kl kayaSalal का विश्लेषण करता हूँ तो काफी संतुष्टि imalatl h. hmaara ivaVaiqayaa ka tknalkl ज्ञान आत्मविश्वास पैदा करता है ,तो टीम yaaga yata Aar ivaiBanna ivaBaagaa va sagaznaa ka AnaBava]nh Payaasa ivaQaa ma partgat banaakr ek kSala tknalkl naayak kl yaaga yata Padana krta h.

[sa sadBa ma ihndstanal va&ainaka va tknalkl ivaSaYa&a kl Baimaka ivaSvastr pr kafl PamaK rhna vaalal h. jasaa ik savaivaidt h ik hmaarl kamakajal janasa#yaa Agala dSak tk dinayaa k iksal Bal dSa k makabala savaaiQak rhgal. At: Aba hmaar samaxa PamaK canaatl]sa kayaprk Aabaadl ka samainvat]pyaaga krnaa h. saBavat: शिक्षा, स्वास्थ्य व जागरूकता का प्रसार कुछ सीमा tk Klal phlal ka salaJaa sakta h. इस उद्देश्य में हमें क्रमबद्ध तरीके से maajad tknalk Aar maanava sasaaQana ka]pyaaga krnaa hagaa. [sa idSaa ma ek sakara%mak झलक दिख रही है कि हमारे यहाँ तकनीकी शिक्षा का ivastar ipCla kC vaYaa sa tja gait sa ha rha h. pirNaamasva$p hma tknalkl maanava sasaaQana k AcC s~at k $p ma ivakisat ha rh h. [sa sasaaQana ka hma na kvala Apna dSa k ivakasa ma samaicat]pyaaga kr sakt हैं,बल्कि दुनिया के तकनीकी मानव संसाधन का मुख्य अंश bana kr nae ivaSva ma Apnaa pxa khl AiQak majabatl sa rK sakga. [na phlaAa ka Asardar banaana k ilaya hma tknalkl PabaQana k mah%va ka Bal dKnaa hagaa. hmaar AagaNal AiBayaai~kl ivaSaYa&a ka saamaaijak savadnaSallata

Baaga ivapnna ha samar CaD glaaina ma inamaijjat Qamaराज ,
सोचते, 'कहेगा क्या मन में जानें, यह शूरों का समाज ?
प्राण ही हरण करके रहने क्यों नहीं हमारा मान दिया ?
AamarNa glaaina sahna ka hl papl na jalvana–दान दिया ।'

Bal mahsasa krnal hagal. spYTt: vyai@t ivaSaYa ka Apna kaya क्षेत्र में कुशल होने के अतिरिक्त समय, समाज va sasaaQana PabaQana ma Bal inapNa hanaa caaihe @yaaik]sasa]sak samaaja Aar dSa kl Bal Apxaae rhtl h.

jaba ma ibarlaa [sTITyaT Aaf T@naalaajal eD saa[sa k ivaVaiqayaa k kayaSalal ka ivaSlaYaNa करता हूँ तो काफी संतुष्टि मिलती है। इन विद्याथियaa kl Tlma kaya k jairya haisala inapNata Apna nae saaiqayaa तक पहुंचाना, विभिन्न शैक्षणिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक व saamaaijak kayaक्रमों में कुशल भागीदारी दिखाना, क्षेत्रिय ja$rtmad samaaja k Pait savadnaSallata rKnaa [nak कुशल प्रबंधन शक्ति का परिचायक है। विश्वास, प्रयास व क्रियान्वयन किसी भी परियोजना को साथk banaana k ilae Alyat AavaSyak hatl h. hmaar ivaVaiqayaa ka तकनीकी ज्ञान आत्मविश्वास पैदा करता है, तो टीम yaagyata Aar ivaiBanna ivaBaagaa va sagaznaa ka AnaBava]nh Payaasa ivaQaa ma pargat banaakr ek kSala tknalkl naayak kl yaagyata Padana krta h. inaiScat tar pr ek kSala tknalkl ivaSaYa& Apna imaSana ka inaYpadna अपने प्रबंधकीय गुणों द्वारा ज़्यादा सुचारु ढंग से कर sakta h. hr samaaja Apnal ivaSaYataAa ka]icat]pyaaga kr Aana vaala kla k ilae bahtr sasaaQana बनाता है, जिससे वह सुनहरे भविश्य की अपेक्षा कर sak.

saBavat: ibarlaa tknalkl sasqaana k nae knd dSa k tknalkl sasaaQana inamaaNa ma mahtvapNa Baimaka Ada kr saamaaijak ApxaaAa ka Aar AcCl trh inaBaa sakga.

जिन्दगी की रफ्तार - 120 ikoimao / GaTa

val esa inabaana , भाषा ivaBaaga

रलगाड़ी हमेशा छुकछुक कर ही क्यूँ चलती है? पता नहीं। जब मैं कहानी सुनता था बचपन में, तब भी ऐसे ही calatl qal. Aar Aaja Bal jaba Apna baT ka khanal सुनाता हूँ, तो भी ऐसे ही चलती है। हम सुनते हैं, dSa ka baDa ivakasa ha gayaa h. Saayad saca h. Kr kC idna phla ma ek inajal kaya sa rla yaa~a kr rha qaa. safr lambaa qaa saa baairyat mahsasa ha rhl qal. vasa ta ma ज्यादा बात नहीं करता, परन्तु Apna Aap ka sahja banaana k ilae sahmasaaifra sa baat krna kl kaiSaSa yadakda kr rha qaa. kC लोग बहुत बातूनी होते हैं। - उनकी बातें Kma hl nahl hatl. दुनियाँ-जहाँ के मुद्दों का पोस्ट maaTma krt]nh dr nahl lagatl. balca balca ma rlakmal kBal caaya samaasaa yaa kafl kl Tkl la Aat. ma Bal कभी-कभार, gama panal kl caskl la lata. Apnaa izkanaa Aana pr, masaaifr]tr jaat Aar nae caZ

ये छोटू उम्र में लगभग नौ-दस साल का था। मैंने उससे नाम पूछा, ta]sana batayaa nahl. Saayad]sa maalama hl nahl qaa. Dr nahl lagata ? रेल में, मेरे पुछने पर उसने कहा - क्या साब इतने सारे लोग हैं -
maJa kah ka Dr.

jaat. esa hl kC masaaifra sa marl malaakat h[. ya saa kalD saafsTlkTD laaga nahl qa, बल्कि गंदे-कुचेले rla ivaBaaga k [nfamala safa[kmal qa. rla k iDbbaa kl safa[कर मेहनताना माँगना ही इनकी नौकरी है। जी हाँ अगर आप अभी तक इन्हें नही पहचान पाये हैं तो मैं इनका परिचय दे देता हूँ। ये हैं "छोटू"। CaT naama ka]ma sa ka[lanaa dnaa nahl h. Aaz saala ka Bal CaT h Aar balsa saala ka Bal. A@sar saDk iknaar Zabaa pr bahtayat ma paya jaat h Aar [na idnaa rla ibaBaaga ma [nakl Kba cala rhl h. ya Alaga baat h ik jyaadatr CaT]ma ma CaT hl hat h. hr tlna caar GaT ma ek nayaa CaT Aata Aar safa[करके पैसे माँग लेता। और बाकी मुसाफिरों की trh ma Bal prSaana ha gayaa. saarl icallar inapTna ma Aa ga[.

ये छोटू उम्र में लगभग नौ-दस साल का था। मैंने उससे नाम पूछा, तो उसने बताया नहीं। शायद उसे मालूम ही

समझे न हाय, कौन्तेय ! कण ने छोड़ दिये, किसलिए प्राण ,
गरदन पर आकर लौट गयी सहसा, क्यों विजयी की कृपाण ?

लेकिन, अदृश्य ने लिखा, कण na vacana Qana का पाल किया,
खड्ग का छीन कर ग्रास, उसे माँ के अञ्चल में डाल दिया ।

नहीं था। डर नहीं लगता ? रेल में, मेरे पुछने पर उसने कहा - क्या साब इतने सारे लोग हैं - मुझे काहे का डर। ''नहीं, रेल में नही पर रात-बेरात सफर में सो जाने का डर। 'नहीं साब अपना कोइ izkanaa ta h nahl jaa Ka जायेंगें, किसी भी गाड़ी में चढ जाते हैं और khl Bal]tr jaat h . ma]sakl haijar जवाबी से हैरान था। थोड़ा क्रोधित Aar Apna Aap ka Asahaya hmasasa kr rha qaa.

'पढ़ना जानते हो', मैने पूछा। थोड़ा saa, साब। कौन मुसाफिर हमें पैसे देगा, कौन दुतकारेगा, कौन समथ h Aar kana Asamaqa - मैं सब पढ़ लेता हूँ। मैं ही नहीं, k[laaga marl Aar CaT kl Aar Gar rh qa . ek vaw महिला, जो अब तक चुप बैठी थी, मुझे बोली क्यों मुँह लगते हो बेटा, जाने कौन जेबकतरा है। इनका तो यहीं माँगना और खाना। ये सुनकर मुझे बहुत बुरा लगा पर छोटू के चेहरे पर हँसी आ आइ . Saayad ya]saka bacapna था या समझदारी - पता नहीं।

'कोइ और काम क्यों नहीं करते' अपनी पास वाली सीट पर बैठाकर मैंने उससे पूछा। क्या करूँ भैया - काम मिलता ही नहीं। लोग कहते हैं मैं छोटा हूँ। यहाँ किसी को पूछने कि जरूरत नहीं - काम करो और पैसे माँगो।

> *सह-मुसाफिरों में से कुछ मेरी ओर dK rh qa Aar]nakI cahrI ka भाव जैसे कह रहे हों - ब़ड़े मास्टर बन रहे थे - लेक्चर दे रहे थे टपोरी को - अब बोलो, ज्ञान d gayaa naa vaa.]nh @yaa pta ik*

AcCa ta @yaa TITI saaba baahr nahl निकालते। 'निकालते हैं ना भैया - पर चल जाता है।' पढ़ते क्यो नहीं, अच्छा दिमाग है तुम्हारे पास - इतनी मेहनत करते हो - पढ़ो और आगे बढ़ो। Apna pirvaar ka sahara banaa. जिन्दगी को जीओ, उस रफ्तार दो । ma]sa samaJaa hl rha qaa ik Acaanak vaa खड़ा हो गया और बोला - 'क्या भैया ? maJa Agala iDbba ma jaanaa h . kC d dlijae. Apnal ijandgal ta esa hl calatl rhgal. [sa rla kl रफ्तार से - 120 ikmal Pait GaTa. ya khkr vaa Aaga baZ gayaa. Tama eD jarl vaala Tama kl trh jasa iksal na mar सर पर वार कर दिया हो। सह-मुसाफिरों में से कुछ मेरी Aar dK rh qa Aar]nak cahr k Baava jasa kh rh ha - बड़े मास्टर बन रहे थे - लेक्चर दे रहे थे टपोरी को - Aba baalaa &ana d gayaa naa vaa.]nh @yaa pta ik ma सचमुच ही लेक्चरर हूँ।

ibaiTsayana Saala

sqaana : $ma nabar 310,
शंकर भवन, ibaTsa-पिलानी, राजस्थान।
samaya : 7:30 sabah

Aचानक जय की आँखें खुलीं। सामने मेज पर रखी घड़ी 7:30 ka samaya idKa rhl qal. 8 बजे 'जेन' जीव iva&ana ka TyaT h Aar]sama TsT ha sakta h ya]sa yaad Aayaa.]sakl nald JaTk sa Kla gayal.ekdma sa vaa]z baza.]sak saamana vaala ibaCavana pr]saka रूममेट वीरू चैन से सो रहा था। "शायद वो बसंती के सपने देख रहा था"। जय ने वीरू को जगाने की नाकाम कोशिश की।वीरू ने आँखें खोली, करवट बदली और फिर सो गया। जय चिल्लाकर बोला,"वीरू उठ जा मेरे Baa[. baayaa TyaT h 8 baja.]z jaa xxxxx।"
वीरू धीमी आवाज में बोला,"अबे हट।सोने दे।" जय और तेजी से चिल्लाया,"वीरू ट्यूट में टेस्ट हो सकती h .]z jaa. Aba val$ kl nald]D gayal. vaa]z baza. jaya Aar val$ vaaya kl gait sa tyaarl ma jaT gaya. danaa na kC pZa nahl qaa.kla rat rf kl maval Aar]sak baad kmar pr *ivagalja* k saaqa gapSap na]nh रात को देर से सोने पर मज़बूर कर दिया था। पाँच मिनट ma baayaa samaJa Aatl ta ijadgal iktnal Aasaana hatl- pstk dr fkt he val$ baalaa. jaya na]sa saavanaa देते हुए कहा,"तु फ़िक क्यों कर रहा है ? iksalka cap laga. vaa GaaT xxx हैं ना अपने ट्यट में।" जय और

कितना पवित्र यह शील ! कण जब तक भी रहा खड़ा रण में ,
चेतनामयी माँ की प्रतिमा घूमती रही तब तक मन में ।

सहदेव, युधिष्टर, नकुल, भीम को बार–बार बस में लाकर,
कर दिया मुक्त हँस कर उसने भीतर से कुछ इङ्गित पाकर ।

val$ danaa masa kl trf cala idya.

sqaana : Sakr Bavana k saamanavaalal saa[kla sTD.

samaya : 7:50

masa ma jaldl sa naaSta krk danaa TyaT k ilae cala idya. saa[kla Kajana ma vyast jaya ka val$ baalaa "ट्युट टेस्ट hanaa inaiScat h @yaa?"। "पता नहीं, हो भी सकता है नहीं भी हो सकता।" जय ने उसकी तरफ na dKt he va saa[ikla ka talaa Kalat he kha. वीरू बोला "अबे तो *laa[T* lat h. *gassa* maart h. vasa भी कुछ पढ़ा नहीं है। और मुझे नींद आ रही है।"जय saaca ma pD gayaa.]sa val$ kl baat zlk ta laga rhl थी। कुछ सोचकर वह बोला "10 अंक गँवाना सेहत के लिये अच्छा नहीं है।" वीरू नाखुशी से saa[ikla pr baza. saa[kla Qalmal gait sa FD 3 kl Aar cala pDl.

saa[kla Kajana ma vyast jaya ka वीरू बोला "ट्युट टेस्ट hanaa inaiScat h @yaa?"। जय ने उसकी trf na dKt he va saa[ikla ka talaa Kalat he kha. val$ baalaa "अबे तो लाइT lat h. gassa maart h. vasa Bal kC pZa nahl h. Aar मुझे नींद आ रही है।"जय सोच में pD gayaa.

sqaana : $ma nabar : 3248

samaya : 8:00

jaya Aar val$ Baagat he FD3 की सीढ़ियाँ चढ़ रहे थे। danaa @laasa k ilae dr ha gaya qa. 3247 k saamana Aakr danaa $k gaya. @laasa Sa$ ha gayal qal. iSaixaka na pZanaa Sa$ कर दिया था। "क्या कहते हो दोस्त ? Adr cala?",

जय बोला। "रूक जाओ, इतनी जल्दी क्या है ? phla iKDkl sa dKt h. Bar rga ka ilafafa idKa[idyaa तो अंदर चले जायेंगे, नहीं दिखा तो वापस भवन चले जायेंगे", वीरू बोला। जय ने सहमति दिखाने के लिए gadna ihlaa[Aar iksal trh Aaga baZkr iKDkl sa 3248 में झाँकने की कोशिश करने लगा।लेकिन वह naakama rha. vah kC dK nahl payaa.

"कुछ दिखाइ नहीं दे रहा है।", जय ने धीमी आवाज में वीरू से कहा। "तो क्या किया जाये ? vaapsa cala ?" वीरू बोला। "रूक जाओ यार। तुम्हें वापस जाने की [tnal jaldl @yaa pDl h ?" जय चिढ़ कर बोला।वीरू Saimaंदा होकर पीछे हट गया और बोला,"तो क्या करें? हाँ वही पुरानी तरकीब। निकालो अपना सिक्का।" जय ने खुशी से हँसते हुए सिक्का निकाला।

"heads hma laaga vaapsa Apna Bavana cala jaayaga. tails hma laaga @laasa k Adr cala jaayaga TsT ha yaa naa ha. done" जय बोला। (वह सिक्का दोनों तरफ से head था, यह अवतक आप समझ ही चुके होंगे।) "done! उछालो" वीरू बोला। जय ने सिक्का उछाला। iplaanal kl hvaa ma isa@ka jara jyaada]Cla gayaa. Cnna sa isa@ka jamalna pr igara.pr jamalna pr igar rhna k bajaae isa@ka Class kl trf rgana lagaa. jaya Aar val$ Dr gaya. jaba tk vaa kC samaJa pat isa@ka क्लास के दरवाजे से अंदर पहुँच चुका था।

sqaana : @laasa k saamana.

samaya : 8:10

@laasa sa Tlcar baahr Aayal. jaya Aar val$ danaa k psalna CTna laga. vaa danaa trf sa heads vaalaa Ajalbaagarlba isa@ka iSaixaka k haqaa ma qaa. jaya Aar val$ Sama sa car ha cak qa."Do you belong to this section ? mam na pCa. "Yes mam", जय और val$ Drt he ek saaqa baala. baahr danaa @yaa kr rh qa - ya samaJana ma Mam को देर नहीं लगी। "Then come inside and do remember to meet me after the class is over।", mam baalal. jaya Aar val$ @laasa k Baltr cala gaya. Adr jaakr]nh pta calaa Aaja TsT nahl qal. Mam कुछ पढ़ा रही थीं, पर जय Aar val$]sa pr ekaga nahl ha pa rh qa. @laasa K%ma hana k baad @yaa hagaa ? [sal #yaala ma vaa Ka gaya.GaTl bajal. @laasa K%ma hana k baad Tlcar na]nh kha "follow me!".

Tlcar]na danaa ka lakr FDIII sa baahr Aa[Aar ska[laana kl trf cala dl. danaa]nak plC-plC jaa rh qa Aar Sama k saaqa-saaqa AcaBaa Bal mahsasa kr rh थे।टीचर ने जय और वीरू से पूछा "हाँ तो जय और

देखता रहा सब शलय, किन्तु, जब इसी तरह भागे पवितन ,
बोला होकर वह चकित, कण की ओर देख, यह परुष वचन ,

"रे सूतपुत्र ! किसलिए विकट यह कालपृष्ठ धनु धरता है ?
मारना नहीं है तो फिर क्यों, वीरों को घेर पकड़ता है ?"

वीरू, मैंने आज पहली बार तुम्हें अपने सेक्शन में देखा। क्या मैं तुमसे पूछ सकती हूँ तुम लोग ये सिक्केबाजी क्यों कर रहे थे ?”

“मैम, बात यह है कि hmana TsT k ilae ka[tyaarI nahI kI qaI Aar rat ka dr sa saana kI vajah sa हमें नींद आ रही थी” वीरू ने सच्चाइ bata[.

“देखो बच्चों ! बिट्स की व्यवस्था काफी lacaIlaI h. @laasa ma tmhara haijar hanaa yaa na hanaa tmhI pr inaBar krta h. pr @yaa ek dast kI हैसियत से मैं तुम्हें कुछ सलाह दे सकती हूँ?” मैम ने pCa.

“जरूर !” डाँट पड़ने के बजाय इतनी अच्छी baat sanakr jaya Aar vaI$ KSa ha gae.

“ आप लोग अपनी ज़िंदगी के सबसे ‘कंस्ट्रक्टिव’ और crucial period से जा रहे हैं। बस मूवीज़, टीoवीo *serials, friends, full house, roadies, counter strike, AOE* [na saba caIjaa k ilae Aap ApnaI pZa[ka driknaar कर रहे हो तो वो गलत है। ”

“हम लोग अपनी गलतियाँ सुधारेंगे! *sorry* मैम ” दोनों ek saaqa baalaa.

“*you need not to be sorry boys!* ihdI ma ek AcCI khavat h : sabah ka BaIaa Agar Saama ka Gar vaapsa Aa jaae ta]sa BaIaa nahI kht. ABaI ta tmharI ijadgaI kI daphr BaI nahI h[है।”

“ So lets leave” mama na]zt he kha.

“ And best of luck for your future” mama Aaga baalaI.

“ धन्यवाद मैम”, yah baalakr jaya Aar vaI$ Bavana kI trf cala ide.

Pasaad mahajana

2006A3PS024

ipta

Apna jaIvanakaIa ma]mak ivaiBanna pDavaa pr PaNyak vyai@t ka Apna ipta kI Aar dKna ka najairyaa :

- 4 vaYa kI Aaya ma : mar ipta mahana h.
- 6 vaYa kI Aaya ma : mar ipta saba kC jaanat h.
- 10 vaYa kI Aaya ma : मेरे पिता बहुत अच्छे हैं, pr baht gassaa krt h.
- 13 vaYa kI Aaya ma : mar ipta baht AcC qa jaba ma CaTa qaa.
- 14 vaYa kI Aaya ma: mar ipta baht tnakimajaaja hat jaa rh h.
- 16 vaYa kI Aaya ma : mar iptajaI jamaana k saaqa नहीं चल पाते हैं, बहुत पुराने खयालात के हैं।
- 18 vaYa kI Aaya ma : mar iptajaI lagaBaga sanakI ha cala h.
- 20 vaYa kI Aaya ma : h Bagavaana! Aba ta iptajaI ka JaIanaa baht maiSkla ha rha h. pta नहीं माँ कैसे सहन करती है।
- 30 vaYa kI Aaya ma : mar bacca ka samaJaanaa baht मुश्किल होता जा रहा है, जबकी मैं मेरे पिता से baht Drta qaa.
- 40 vaYa kI Aaya ma : mar ipta na maJa baht अनुशासन से पाला है, मुझे भी अपने बच्चे के saaqa esaa hI krnaa caaihe.
- 45 vaYa kI Aaya ma : ma AaScaya चकित हूँ कि ksa hmaar ipta na hma baDa ikyaa hagaa.
- 50 vaYa kI Aaya ma : मेरे पिता ने हमें यहाँ तक पहुँचाने के लिए बहुत कष्ट उठाये। जबकी मैं ApnaI [kIaatI AaIaad kI dKBaaIa hI zIk sa nahI kr pata.
- 55 vaYa kI Aaya ma : mar ipta baht drdSaI qa.]nhana hmaar ilae k[योजनाएँ बनाइ qaI. va Apna Aap ma bahd]cca kaiT k [saana qa jabakI mara baTa maJa sanakI samaJata h.
- 60 vaYa kI Aaya ma : vaak[mar ipta mahana qa.

-AikTaYa TiIyaanaI

2007A5PS795

“संग्राम विजय तू इसी तरह सन्ध्या तक आज करेगा क्या ?
मारेगा अरियों को कि उन्हें दे जीवन स्वयं मरेगा क्या ?

रण का विचित्र यह खेल, मुझे तो समझ नहीं कुछ पड़ता है ,
कायर ! अवश्य कर याद पाथ की, तू मन ही मन डरता है ।”

मकड़ी का जाल: अभियांत्रिकी का कमाल

maमकड़ी “आथोipaDa fa[लम” के “अरकनाइडा” वग ka jalva h ijanama jaala banana kI AdBat xamata hatI h. jaala inamaaण में प्रयोग की जाने वाली विधाएँ, इस नन्हें से jalva kI AdBat kaya kaSala Aar yaai~kI ka PadiSat krtI h. makDI sa AiQak kSala eva pirEamaI ka[- BaI AiBayata ivaSva ma nahI h. makDI ka jaalaa ek]%kYT kaSala h jasaa ik yaai~kI kI diYT sa ek bahmaijalaI [maart Aqavaa pla k inamaaNa ma PadiSat ikyaa jaata h.

मकड़ी ऐसे बुनती है जाल :

makDI 1-2 GaT ma Apna Paya%naa sa AkIa hI majabat Aar]%kYT jaala ka inamaaNa करती है। अपने पाँव के निचले भाग ma isqat tnt]%padk gaiqayaa sa trla pdaqa inakalakr]sa ek Aar]CalatI h jaa AgaIa hI xaNa iksaI vast yaa AaQaar sa Tkrata h Aar]sasa icapk jaata h. Aba makDI [sa iKcatI h Aar]sa tar pr daD lagaatI h. yah jaala kI phlaI rcanaa h. [sa Pakar ivaiBanna idSaAa ma daDkr vah Anak tara ka inamaaNa krtI h.

]sak baad Apna banaae gae tara k balca jaala k मध्य बिन्दु से होते हुए अन्य तारों (व्यासार्द्धों) का निमाNa krtI h. [sak ilae vah ek Aar sa kaya PaarBa krtI h Aar dsar iknaar pr jaana k ilae vah gaala–gaala GamatI rhtI h. ifr sa makDI jaala k knd iband पर पहुँचती है और वहाँ दूसरा तार चिपका देती है। और तत्पश्चात् ढाँचे के बाहरी किनारे पर पहुँचती है और इस प्रक्रिया में नए तारों का निमाNa krtI rhtI h. [sa Pakar saBaI vyaasaawa kI rcanaa hatI h.

[sak kC hI xaNa baad pr jaala ka vah jyaaimait (Geometry) ka Aakit dtI h. [sa kaya ma makDa kI drdiYT Aar saJabaJa ka PamaaNa imalata h.

> ***makDI k jaala ka tar 1 mm k balsava Baaga k barabar ptlaa hata h. yah [tnaa hlaka hata h ik 1Kg jaala sa pqvaI ka 15 baar lapTa jaa sakta h. Aba tk k SaaQaa sa yah isaw ha gayaa h ik vaastivkar jaala kI sarcanaa kI jyaaimait sa baht kC salK saktI h.***

इस प्रक्रिया के अंतगत makDI dayaI Aar }pr k Baaga k knd ma ek tar icapkatI h Aar Apna ka pihe की तितलियों की तरह साधकर केन्द्र में चक्राकार तार banaatI h. yah zlk]saI Pakar sa h ijasa Pakar sa ek [mart ka banaana k ilae macaana kI rissayaa sa कसकर बाँधा जाता है, ताकि जाल की तलें सधी रहें और barabar kI drI banaae rK.

मकड़ी का जाल : मजबूत इमारतों का AaQaar

makDI k jaala ka tar 1 mm k balsava Baaga k barabar ptlaa hata h. yah [tnaa hlaka hata h ik 1Kg jaala sa pqvaI ka 15 baar lapTa jaa sakta h. [sama baht AiQak lacaIlaapna hata h. va&ainak Payaagaa sa yah isaw ha caka h ik barabar maaTa[- ma [sa Qaaga kI Sai@t laah k tar sa k[- gaNaa AiQak h. [sakI majabatI [sak lacaIlapna sa h.

DnamaaK Aar Aa@safaD ma cala rh SaaQaa k pirNaamasva$p makDI jaala banaat samaya ijasa AiBayaai~kI ka]pyaaga krtI h]saka]pyaaga hvaa[- ADDa Aar sTiDyamaa k inamaaNa ma ikyaa jaa sakta h. makDI k jaala kI ivaSaYataAa ka pta lagaakr]sa tar kI [maart banaa[- jaa saktI h ijasasa [mart k iksaI ek Baaga pr jabardst Pahar hana k baavajad baakI Baaga Apnaa satlana Aar majabatI banaae rK sak. Aba tk k SaaQaa sa yah isaw ha gayaa h ik vaastkar jaala kI sarcanaa kI jyaaimait sa baht kC salK sakt h.

saYaimat Eayaasa

2005A2PS534

हँसकर बोला राधेय, “शल्य, पाथ की भीति उसको होगी ,
क्षयमान्, क्षनिक, भंगुर शरीर पर मृषा प्रीति जिसको होगी ।

इस चार दिनों के जीवन को, मैं तो कुछ नहीं समझता हूँ ,
करता हूँ वही, सदा जिसको भीतर से सही समझता हूँ ।

baasama 2007

“ मंजिलें उन्ही को मिलती है,
ijanak sapnaa ma jaana hatl h.
पंख लगाने से होता नही है कुछ भी,
isaf हौसलों मे उड़ान होती है।”

[sal APaitma]%saah eva Atlya saGaYa ka icahinat krt he jagamagaat cahra k maQya saahad, सहिष्णुता एवं भ्रातृभावना के Vatk Kla mahakBa baasama 2007 ka SaBaarBa hAa. 27 kalajaa k 800 iKlaaDl isaf एक ही ख्वाहिश लेकर पहुँचे थे -विजय।

hr baar kl trh [sa baar Bal saBal iKlaaDl baasama k SaBaarBa Aar baaskTbaala maca ka basabal sa [tjaar kr rh qa prt vaYaa k karNa Klala pDna sa sabakl AaSaaAa pr panal ifr gayaa. prt yah kaibala tarlf h ik [tnal ADcanaa k baabajad Aayaajaka na *inaug* ka *sac* saBaasqala ma kC hl samaya ma sqaanaantirt kr idyaa.

[sa baasama saa[bar gaimaga k dlvaanaa k mana ma yah ksak Bal baakl rh ga[ik [ignaSana 07 saa[bar gamsa kl raYTIya str kl प्रतियोगिता, स्थगित हो गइ. prt yah ksak caar idna k [sa mastl Bar maahala ma kba gaayaba ha ga[pta hl nahl calaa. ipCla saala की तरह इस साल भी जनता ‘जय हिन्द’ कालेज की गल्स baaskl Tlma kl idvaanal najar Aa[. Apna vacasva ka kayama rKt he [sa saala Bal SBMJC bagalaar kl Tima na Saanadar PadSana ikyaa Aar Paqama sqaana PaaPt ikyaa tqaa iWtlya sqaana pr ibaTsa rha.

Aaeisasa 2007

ओएसिस - अंग्रेजी के इस शब्द का Aqa hl hata h rigastana k balca ma ek jalaaSaya. yah naama hmaar mana ma Aat hl hmaar maanasa pTla pr ek rmaNalk dSya saakar ha]zta h. ek esaa dSya jaa rigastana ma A%yat dlaBa hata h. kC esaa hl hata h ibaPaivasa PaagaNa ma PaitvaYa Aayaaijat hana vaala Aaeisasa ma. Aaeisasa ek esaa सम्मेलन होता है जहाँ विभिन्न कॉलेजों sa ivaVaqal Aakr Apnal PaitBaa ka PadSan करते हैं, विभिन्न संस्कृतियों का संगम होता है तथा इस 'रेगिस्तान मंथन' का जो परिणाम निकलता है, वह आनंद kl prakaYza h.

hr vaYa की भाँति इस वष Bal Aaeisasa Apnal saarl ApxaaAa pr Kra]tra. savaPaqama Aaeisasa k]dGaaTna samaarah kl AaBaa sa hl Aaeisasa k str ka Adajaa laga rha qaa. [sa samaarah kl शोभा में चार चाँद लगाने के लिए मुख्य अतिथि के tar pr Aasalna qa Batpva ibaTisayana [nTla Tkl सुनीत रिखी। अपने पहले वाक्य में उन्होंने कहा " I am chief but not a guest... (मैं प्रधान तो हूँ iknt Aitiqa nahl)"। ये शब्द पूरे हुए कि पूरा AaDl tailayaa kl gaDgaDahT sa Bar ga[. Apnal ek CaTl sal kivata (dayal Aar) sanaakr]nhana prl janata ka ma~magQa kr idyaa. [sa baar Aaeisasa k]dGaaTna samaarah k darana h[AaitSabaajal na Bal sabaka kafl mana laBaayaa.

" हर हवा के झोंके में पिलानी की खुशबू ढूंढता हूँ, हर बस स्टैंड में नूतन ढूंढता हूँ

हर मंदिर के आँगन में घाँस ढूंढता हूँ, हर घाँस पर मोर ढूंढता हूँ

हर सीख मे एक नया फंडा ढूंढता हूँ, hr praz k bagala ma ek ADa ढूंढता हूँ

ksal ma ibaTsa ma Kla ikkT ka विकेट ढूंढता हूँ,

हर ऊँची दीवार के पीछे एक मीरा भवन ढूंढता हूँ

tma sabak Kbasart cahr ma ma अपना चेहरा ढूंढता हूँ।

4 idna Aqaat 96 GaTa ma psar he Aaeisasa ma ivaiBanna Pakar k kayakrम देखने को मिले। आट ena Dl Wara inaimat stp dsar kalajaa sa Aae ivaVaqalगण के लिए आँखों का तारा साबित हो rha qaa. yah jaanana pr ik yah hst inaimat है, उनके अचरज kl salmaa na qal. gaartlaba h ik ya stp banaana k ilae AaT एन डी की दल रात-दिन एक कर देती है। इस स्तर पर की गइ mahnat Att: kama Aatl h Aar Aaeisasa kl Saana baZana ma kafl Asardar hatl h.

Aaeisasa 2007

Aaeisasa k darana ibaTsa PaagaNa ma ek nayaa Kla देखने और खेलने के लिए था – 'पेंटबॉल'। काउन्टर sT/[k kl dIvaanaI ibaTsa kl janata k ilae ta maanaa एक जीवंत अवसर मिल गया हो 'फायर इन द होल' krna ka. baahr k PaitBaagal Bal [sa Kla ma Apnal kafl $ica idKa rh qa. canala val k da *VJ's* na ibaTsa k pirvaSa ma kdma रखे तो यहाँ का माहौल देखकर वो आश्चयcaikt rh gaya.]nhana kC spQaaएँ भी करवाइ tqaa Anak kayaक्रमों को उत्साह से देखा।

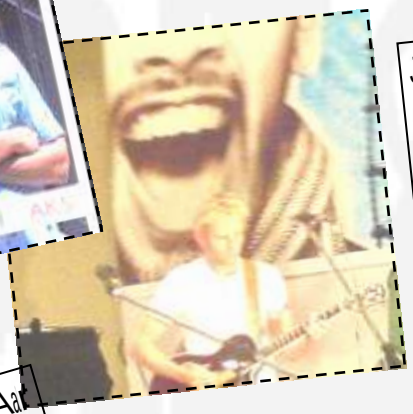

JaKar Wara Aayaaijat lakl Alal kl Saama Aaeisasa ka ma#ya AakYaNa rhl. [sa Saama Paisaw gaayak na Bal idla Kalakr gaana gaae. iksal kalaja ma Apna jalvana k Paqama Pastit ma lakl na janata ka sagalt kl dinayaa kl vaa sar krvaa[jaa saBal k ilae ek अविस्मरणीय स्मृति रहेगी। पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यहाँ की pZa[के बारे में उन्होंने सुना था, किन्तु बिट्स का यह रूप उनकी klpnaa sa pr qaa.

Dasa @laba Wara Aayaaijat rajamaTja Aar kairyaa dKna k ilae janata ka]%saah dKt hl banata qaa. ragamailaka Wara Aayaaijat taDva Bal Apna Aap ma kafl Alaga qal. myaijak @laba Wara Aayaaijat तरंग, फ्युजन और वेस्टन Aka]isTk jama jasa Kayaक्रम काफी लोकप्रिय हुए।इन काय क्रमों के लोकप्रियता का आलम यह था कि laaga AaDI Kl saliZyaa pr bazkr yah Kaya क्रम तीन-तीन घंटे तक देखते रह गये। DaT Wara Aayaaijat saa[kDilak spFsa Kayaक्रम में विभिन्न चलचित्रों के कुछ अंशों Ka hasya $patrNa Krnaa qaa. Aaeisasa ma Paqama baar iKya gaya [sa Kayaक्रम में बाहर से Aa[टीमों का उत्साह देखने लायक था। 'दि मैट्रिक्स' के स्पूफ पर हँसते-हँसते जनता लोट-पोट हो गइ.

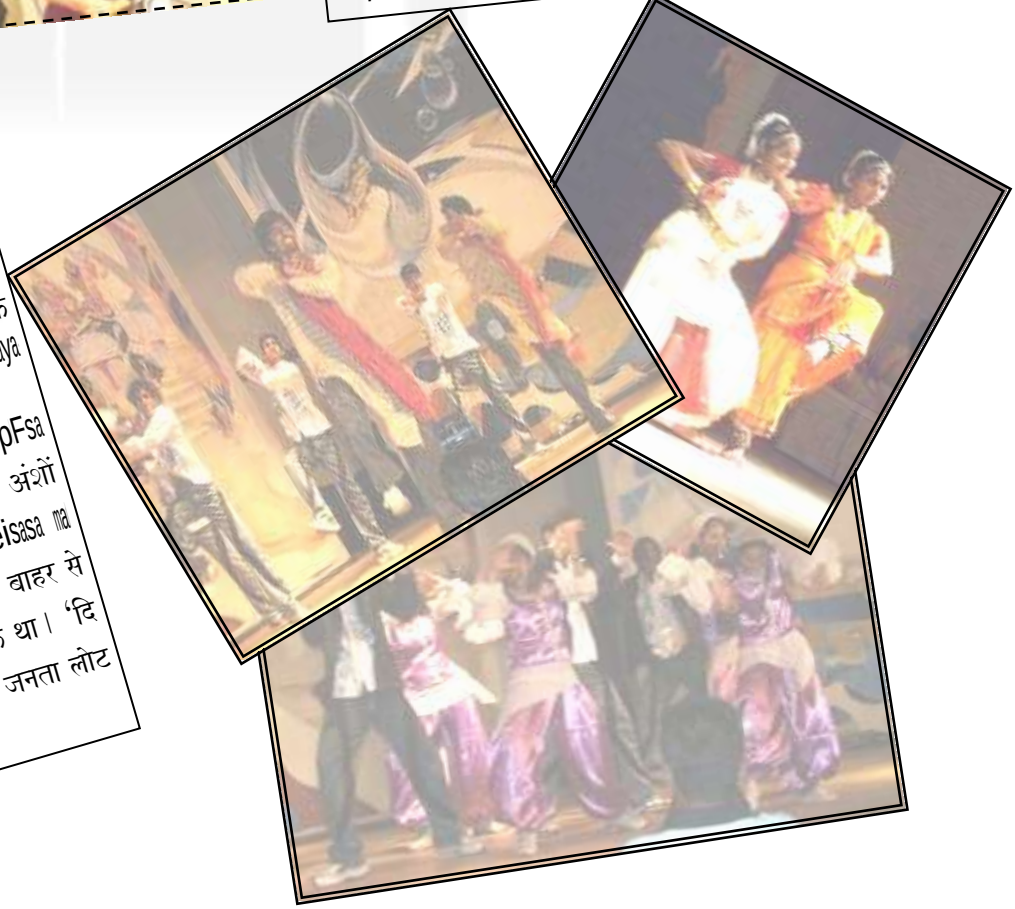

Apajal 08

11 maaca 2008, सुबह के 9 बजे, लोगों के बीच बना कौतुहल अब खत्म
hana Ka qaa Aar @yaaik va@t qaa Apajal 08 k SaBaarBa Ka. [sakI
Sa$Aat AUDI ma h[Aar ifr sabaKa ba krayaa gayaa CostAA
Body k sadsyaa sa. [sa Avasar pr maananalya Aitqal k $p ma mahadya
esa. vaKTSvarna jaa ik ibaTsa k Batpva klapit h]pisqat qa. [sak
baad Da.ela.k.माहेश्वरी ने सभी का अभिवादन किया, विशेषकर श्रीमती
Ainala phavaa jaa sa~ 1975-76 ma ibaTsa ma hl AQyayanart qal Aar
ABal Kensas State University (USA) ma Kayarat हैं और डॉ.
kYNaa Saahl jaa ABal USA ma Kayart h.

Apajal sa sabaiQat kC ma#ya tqya :
phlaI baar Apajal ma sTala lagaa[ga[.
Apajal k darana caar ifIma idKa[ga[.
Apajal kl spanasariSap 18 laaK.
Apajal k darana ko ko ibarlaa ka Ca~a k
PaaMsaahna k ilae Aanaa.
AsaaisaeSansa k ilae phlal baar bajaT banaayaa gayaa.

[sa Apajal kC Alaga hT kr dKna ka imalaa ta vah qaa Ca~a ka vaKSaap Aar la@car k Pait]%saah ijanama pmaK qa
Biological Sciences Wara yaana iSaxaa k ivaYaya ka lakr krayaa gayaa isampaisayama Aar raYTIya savaa saGa eva Bio-
logical Association k saya@t t<vaaQaana ma vanya jalva sarxaNa pr krayaa gayaa vyaa#yaana . [na sabak Alaavaa hr
साल की भाँति मिथाली की प्रस्तुति ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

iptajal na maaga idKayaa

डॉ. के. के. बिड़ला
डी. लिट्.
pUva सांसद, राज्य सभा
कुलाधिपति, बिट्स पिलानी

yah khanal]sa samaya kl h jaba ma Apna CaT Baa[eva tlna cacar Baa[yaa k saaqa klak<aa k hyar skla ka Ca~ qaa (1932 k lagaBaga).

hyar skla skaTlaD ma janma DivaD hyar na Sa$ ikyaa qaa . DivaD hyar klak<aa ma ek GaiDyaa kl कम्पनी का मालिक था। वह एक जनसेवी था, जिसका piScama bagaala ma AaQainak iSaxaa k Pacaar ma baDa yaagadana rha h. Paisaw samaaja saQaark rajaa rama maahna raya]nak Ananya ima~ qa. bagaala k janamaanasa ma hyar jasa baiwjalivayaa k Pait ATT Eawa qal. jaba 1 jana 1842 ma hyar kl maR%ya h[ta k+rvaadl [saa[imaSanairyaa na]nh ivaQamal zhrakr kbagaah ma gaaDna kl jagah dna sa [nakar kr idyaa. laikna bagaala kl]pkt janata na]nak samaqana ma]nakl Aitma yaa~a ma hjaara kl sa#yaa ma Saaimala hakr]nh PasalDsal kalaja pirsar ma dfna ikyaa. hyar skla Bal PasalDsal kalaja pirsar ma DivaD hyar Wara jana klyaaNa ht dana kl ga[Baima pr banaa h.

jaba hmana hyar skla ma daiKlaa ilayaa tba hma kafl CaT qa. ma krlba trh vaYa ka qaa Aar Aazval kxaa ma pZta qaa. mara CaTa Baa[basat kmaar saatval kxaa ma qaa.

hyar skla kl pZa[ka str]%kYT qaa.[sa karNa vah samaaja k hr vaga k baccaa ka Apnal Aar AakiYaत करता था। हमारे हेडमास्टर जाने - माने विद्वान, कड़े अनुशासक और उग्र देशभक्त थे। उन दिनों kl iSaxaa vyavasqaa k ihsaaba sa ka[Bal Ca~ Apnal maiTk prlxaa pasa krna k baad ivaSvaivaValaya ma PavaSa la sakta qaa.Aaja kl trh 10+2 iSaxaa PaNaalal ka calana nahl qaa. maiTk prlxaa kl ilaya Ca~ ka naaval Aar dsaval kxaa ma pZnaa pDta qaa. laikna [sasa nalca की कक्षाओं के लिये विद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम निधा irt krna kl CT qal.

ica~karl saatval Aar Aazval kxaa ma Ainavaaya ivaYaya qal. hma ica~ banaana ma kafl AcC qa . hmaar iSaxak kafl]%saahl iksma k qa. va hma raja hamavak idyaa krt qa ijasasa ik hma jald sa jald sa [sa klaa ma tr@kl kr sak . jaba hma Apna maasTr saahba ka Apnaa hamavak दिखाते, तो वे हमारे काम में कइ गलतियाँ ढूँढ लेते थे। इसलिए हमारे गृहकाय eva Asaa[namaT [%yaaid ma PadSana ka dKkr hma Aasat xamata vaala ivaVaiqayaa ma hl iganaa jaata qaa. jyaadatr ivaVaiqayaa Wara Gar sa banaakr laae gae ica~ hma sa khl bahtr Paae jaat.

यही बात हम पाँच भाइyaa ka caikt kr dtl थी।जब हम कक्षा में चित्र बनाते थे, हमारे काम को कक्षा के पाँच सबसे श्रेष्ठ चित्रों में गिना जाता था। लेकिन जब hmaar gahkaya की जाँच होती तो हम कक्षा में बीच के kC sqaanaa pr pae jaat qa. ek idna mana Apna krlbal मित्र से पूछा "ऐसा क्या है कि कक्षा में मेरे द्वारा बनाए गए चित्र सबसे वढ़िया पाँच तस्वीरों में से एक होते हैं laikna mar gahkaya में लाए गए चित्रों को कक्षा में, पहले पाँच तो मत ही पूछो, पहली दस अच्छी कलाकृतियों में भी जगह नहीं मिलती?"

मेरे मित्र ने कहा,"कृष्णो! तुम बेवकूफ हो! तुम्हें Apna hamavak ma Apna ipta yaa baD Baa[kl madd lanal चाहिए!" मेरे बंगाली सखा आज भी मुझे कृष्ण न कहकर 'कृष्णो' ही बुलाते हैं। उसने आगे कहा ,"जहाँ तक मेरा

"पर ग्रास छीन अतिशय वुभुक्षु, अपने इन वाणों के मुख से ,
होकर प्रसन्न हँस देता हूँ, चञ्चल किस अन्तर के मुख से ;

यह कथा नहीं अन्त:पुर की, वाहर मुख से कहने की है ,
yah vyaqaa Qama k var–समान, मुख–सहित, मौन सहने की है ।

सवाल है, मेरे चित्र हमेशा किसी बड़े बुजुर्ग kI sahayata से बने होते हैं।” अब मुझे समझ में आया क्यों हमारा PadSana Anya ivaVaiqayaaa kI tlanaa ma igarta jaa rha qaa. mar ima~ Aar dja k Anya Ca~a k ica~a ka hmaarI tsvaIra sa baiZyaa hana ka rhsya mar saamana KIa gayaa qaa.

घर पर, हम सबने इस पर विस्तार से बहस kI . hma laagaa ma sa tIna AazvaI kxaa ma Aar da saatvaI ma qa. ma Aar maaQava Pasaad sabasa baD qa. hmana kmaana haqa ma laI. hmana kha ik jaba dsar laDk Apna maata-ipta yaa bajagaa sa ica~ banaana ma madd lat h ta हम फिसड्डी क्यों रहें?” पिताजी ने हमें चित्रकारी isaKana k ilae Gar pr BaI ek]stad bahala kr rKa था। माधव प्रसाद और मैंने कहा,“क्यों बेकार ma iptajaI yaa Anya pirvaar vaalaa ka इस बारे में परेशान करें? हमारे पास ta ek inajaI D/[ga maasTr h hI. हम उसी से मदद लेते हैं।”

]sa idna sa hma Apna hamavak ma Apna D/[ga maasTr sa saQaar krvaana laga. jaba hmaar skIa k iSaxak na hmaara kama dKa ta]sana hmaarI Kba तारीफ़ की, “बेहतरीन! तुम्हारे चित्र कक्षा में सबसे अच्छे हैं।” hmana namata ka idKavaa ikyaa magar hma BaItr hI BaItr kafI KSa qa. yah kC idna tk calata rha . ek idna skIa sa laaT ta hma iptajaI ka [sa baar ma batana ka kafI]%sak qa Aar hma ApnaI dxata k ilae PaSasaa k vacana sananaa caaht qa. hmana iptajaI ka prI khanaI sanaa[. [saI jaaSa ma hmana gava sa iptajaI ka ApnaI saflata k baar ma batayaa Aar yah BaI ik iksa trh @laasa TIcar na hmaar kama kI sarahnaa kI. hmana saacaa qaa ik vaa हमारी उपलब्धियों पर प्रसन्न होंगे, परंतु हमारी आशाओं के विरुद्ध , वे स्तब्ध रह गए।

ya BaartIya svat~ta sagaama k saGaYa k idna थे। महात्मा गाँधी ने एक नइ ivacaarQaara kI naIva rKI qaI. sa%yaagah kI lahr pr dSa ma daD rhI qaI. mahaHmaa jaI na sa%ya baalana eva inajaI Aar saamaaijak jaIvana ma naitk AacarNa pr kafI jaar idyaa.]naka maananaa qaa ik hma sa%ya Aar Aihsaa k AadSaa pr Apna jaIvana kI ivaYamataAa kI icata ike ibanaa calanaa caaihe.]naka maananaa qaa ik na isaf हमारे जीवन का लक्ष्यमात्र, varna]sa pana k ilae ikya gae Payaasa BaI piva~ hana caaihe.

mahaHmaa jaI na sa%ya baalana eva inajaI Aar saamaaijak jaIvana ma naitk AacarNa pr kafI jaar idyaa.]naka maananaa qaa ik hma sa%ya Aar Aihsaa k AadSaa pr Apna jaIvana kI ivaYamataAa kI icata ike ibanaa calanaa caaihe.

पिताजी महात्मा गाँधी के आत्मीय थे। वे गाँधीजी का अपने पिता की तरह आदर करते थे।महात्मा गाँधी भी मेरे पिताजी को एक मित्र और पुत्र की तरह मानते थे। गाँधीजी ने एक बार पिताजी को एक बार ilaKa BaI qaa ik va]nh Apnaa maagadSak samaJat qa.

[sa trh k piva~ vaatavarNa ma jaba iptajaI na हमारी थोथी बातें सुनीं, तो उन्हें हमारी चालाकी के बारे में सुनकर गहरा आघात लगा। उन्होंने कठोर शब्दों में कहा, “जो बात तुमने मुझे अभी कही है, वह जानकर मुझे bahut pIDa h[है। तुम सबने, मेरे पुत्र समान बच्चों ने, इस तरह की धोखाधड़ी की, यह मेरे लिए शोक का विषय है।” तुम सब सुबह-शाम इSvar sa Paaqanaa krt ha. tma laaga [tna ksa igar gae ik tmh Apna TIcar ka QaaKa dna ma jara BaI Sama nahI Aa[? iptajaI kI baat sanakr hma htaSa ha gae. maaQava Pasaad Aar mana iptajaI ka yah dlaIla dI ik hma sabana vahI ikyaa jaa dsar Ca~ kr रहे थे। पिताजी ने कहा, आप लोगों को अपने उसूलों पर दृढ़ रहना चाहिए था, न कि दूसरों की देखा-देखी; Apna iSaxak k saaqa kpT krna का प्रयास, जो कि घोर अनैतिकता है।

hma ApnaI galatI ka Ahsaasa hAa.hma saba]sa samaya naadana qa. BarI h[आँखों से हमने कहा “हमें अपनी भूल पर पछतावा हो रहा है। हमने पूछा, अब हमें क्या करना चाहिए?” पिताजी ने kha ik tma laaga Apna hDmaasTr k pasa jaaAa Aar]nasa imalakr ApnaI galatI ka [kbaala करो। उनसे क्षमा माँगो और उन्हें आश्वासन दो कि esaI galatI Aa[da kBaI nahI hagaI.

पिताजी की सलाह नैतिकता एवं ऊँचे आदर्शों pr AaQaairt qaI. laikna saaqa hI saaqa hma yah BaI Dr qaa ik yah BaI saBava h ik hDmaasTr saahba hmaar iKlaaf kDI kaya-vaa[kr Aar hma @laasa sa inakala d.

“सव आँख मूँद कर लड़ते हैं, जय इसी लोक में पाने को ,
पर, कण jaJata h ka[, ऊँचा सद्धम निभाने को ,

सवके समेत पङ्किल सर में, मेरे भी चरण पड़ेंगे क्या ?
ये लोभ मृत्तिकामय जग के, आत्मा का तेज हरेंगे क्या ?

इस समय तक बात चाचा बृजमोहन तक पहुँच गइ qal jaa हमें बहुत मानते थे। वे भी ऊँचे आदशो k vyai@t qa prt dinak AacarNa ma va iptajal sa jyaada yaqaaqavaadl थे।चाचा पिताजी से मिले और कहा "भाइjal! baccaa na Bala kl h Aar]nh [sa baat pr Afsaasa Bal h.yah pra PakrNa]nak ilae ek AcCl salK h. Aba bakar ma]nh Apnal galatl svalkar krna k ilae hDmaasTr k पास क्यों भेजें? चूँकि ये अपने आचरण पर शमिda h ta [sa masala ka yahl df na klijae Aar [sa AQyaaya ka यहीं समाप्त कीजिए।"

laikna iptajal Apna AadSaa pr AiDga qa Aar कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। वे बोले, "इन लड़कों ka Apna hDmaasTr k pasa jaanaa hagaa Aar Apna ike ka svalkar krnaa hagaa. [naka dD दिया जाना चाहिए या नहीं, यह उनकी KSal pr inaBar है।"

caacaa iptajal sa 12 saala CaT qa Aar]nh Aadr kl diYT sa dKt qa.]nhana कहा, "भाइjal ma Aapsa prl तरह सहमत हूँ, लेकिन आप Agar yahl caaht h ta esaa hl सही।पर मैं एक सुझाव देता हूँ- piDtjal ka Bal baccaa k saaqa hDmaasTr k pasa jaana ka कहिए।"

piDtjal ka naama]idt imaEaa था।वे वाराणसी के पास के एक गाँव से थे। वे अच्छी saskt jaanat qa Aar skla k kC iSaxaka sa]nakl jaana phcaana qal. kaSal k piDta ka Baart kl Qaaimak prpra ma ek ivaiSaYT sqaana h. [nh ipCla da hjaar vaYaa से समाज में ऊँची प्रतिष्ठा एवं sammaana ka djaa imalaa hAa h.

drAsala jaba hmaara hyar skla ma daiKlaa hAa qaa tba piDt jal na hma baccaa ka kxaa k sava श्रेष्ठ छात्र बनाने का वचन दिया था। सत्य ही, हम सब Apnal @laasa k Avvala saat Ca~a ma qa. piDt jal ka रुतबा हमारे परिवार में और बढ़ गया। पिताजी ने piDtjal ka hmaar saaqa jaana kl Anamait d dl.

Agala idna piDtjal na hDmaasTr saahba sa imalana ka va@t ilayaa.]nhana kha ik va Eal GanaSyaamadasa ibaDlaa k baTa Aar Batljaa ka lakr]nasa ek Kasa samaya caihe hagaa. piDtjal ka ek AakYak vyai@t va qaa.va vaakpT Aar imalanasaar Aadmal qa.

अगले दिन हम पाँचों भाइ piDt jal k saaqa hDmaasTr k pasa gae. hDmaasTr saahba na hma piDt jal k saaqa bazna ka kha. piDt jal na]naka Apnaa pircaya idyaa.

हालाँकि माधव मुझसे बड़े थे परंतु मैं उनसे ज्यादा spYTvaadl qaa. [sailae yah inaNaya hAa ik [sa dla ka मुख्य प्रवक्ता मैं ही रहूँगा। पंडित जी ने कुछ शुरुआती टिप्पणी की। वे बोले, "हेडमास्टर साहब, घनश्यामदास बिड़ला महात्मा गाँधी के मित्र व अनुयायी हैं और ऊँचे मूल्यों वाले आदमी हैं। आज ये लड़के आपसे क्षमा माँगने Aae h @yaaik [nasa baDl galatl h[h Aar [naka [sa baat pr Kd h. ma kYNakmaar sa pra ब्यौरा देने को कहूँगा।

मैंने कहा, "सर, गलत salaah k Adr hmana kC esaa ikyaa ijasak ilae hma Saimada h. hmaar ica~klaa Tlcar na hma kC hamavak idyaa. hmana]sama Apna inajal]stad sa saQaar krvaayaa jaa hma Gar ma ica~karl isaKat h. hmana vahl ikyaa jaa dsar laDk krt h prt hma Ahsaasa hAa ik yah ba[maanal h. [sailae hma Aapsa माफ़ी माँगने आए हैं। हमें क्षमा कीजिए सर, यह भूल हमने नासमझी में की है।हेडमास्टर साहब na hma baDl inaYza sa sanaa. marl baat K%ma hana pr उन्होंने मुझसे कुछ प्रश्न पूछे, "क्या तुम उन लड़कों के naama bata sakt ha जिन्होंने तुम्हें इस धोखाधड़ी की प्रेरणा दी। मैंने कहा, "माफ़ी चाहूँगा सर, जिन लड़कों ने मुझसे ऐसा करने को kha vaa mara Balaa hl caaht qa. Aba]nak naamaa ka Klaasaa krnaa marl trf sa kpTpNa AacarNa hl होगा।"

"हमने एक गलती पहले ही की है लेकिन आपसे गुज़ारिश h ik hma esaa kC Bal na krna ka majabar kr jaa Cla प्रेरित हो।"

hDmaasTr saahba na mar diYTkaNa ka samaJaa.]nhana कहा ,"क्योंकि तुम सब इस कसूर के लिए दिल से शमिda

मैंने कहा, "माफ़ी चाहूँगा सर, जिन लड़कों ने मुझसे esaa krna ka kha vaa mara Balaa hl caaht/ qa. Aba]nak/ naamaa/ ka Klaasaa krnaa marl trf sa kpTpNa AacarNa hl होगा।"

हो, मैं तुम्हें माफ़ करता हूँ। यह गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए।” हमने उनके पाँव छुए और अपनी कक्षा की Aar cala pD.

Saama ka hmana Gar Aakr iptajal ka va<aat सुनाया।चाचा भी वहाँ बैठे थे। पिताजी बहुत प्रसन्न थे ik hmana Apnal galatl ka [kbaala ikyaa. iptajal Aar caacaa na hma AaSalvaad idyaa Aar kha ik BaivaYya ma hma sada salQa maaga pr calanaa caaihe.

Par khanal yahl pr Khma nahl h[.
tlna caar idna baad hmaarl ica~karl kl kxaa h[. jaba kxaa PaarBa h[ta hmaar iSaxak na kha ik hDmaasTr saahba Ca~a sa da Sabd khnaa caahga. hDmaasTr saahba आए, विद्यार्थियों ma]naka baDa dbadbaa qaa. sabak cahr pr tnaava idK rha qaa.

हेडमास्टर साहब ने कहा, “लड़कों, मेरी जानकारी में आया है ik Aapma sa k[laaga Da[ga iSaxak Wara idyaa gayaa hamavak Gar k baD bajagaa kl madd sa krt h. mar pasa iksal vyai@t ivaSaYa ka naama nahl परंतु मैं जानता हूँ कि आप में से बहुत लोग ऐसा करते हैं।” आगे कहा, “कृपया इस बात को अपने jahna ma Dala lalijae ik yah mahatmaa गांधी का युग है जहाँ सत्य और नैतिकता ka caaTl ka djaa idyaa gayaa h.pra dSa Aar dSavaasal Apnaa bailadana dna ma nahl ihcak rh h. Aapka esaa kC nahl krnaa caaihe jaa hmaar Paacalna sata eva]na t% कालीन महापुरुषों के कथनों के विपरीत हो, जो महात्मा gaaQal k nat%va ma svat~ta k ilae saGaYa कर रहे हैं।”

“ मैं तुम्हें बताना चाहूँगा कि इस कक्षा में श्री घनश्यामदास ibaDlaa k p~ Aar Batlja h. @yaa Aap tlnaa Apnal jagah pr KD haga? ”, उन्होंने आदेश दिया।

hma KD he Aar prl kxaa na hma PaSasaa Barl najara sa देखा। बैठते ही उन्होंने कहा, “बिड़ला परिवार के इन laDka na Apnal majal sa yah svalkar ikyaa h ik [nhana hamavak ma ide gae ica~ Apna inajal iSaxak kl madd sa बनाए थे।” हेडमास्टर ने कहा “बच्चों, मेरा खयाल है कि आप सब अपने घर के बड़े-बुजुगो kl madd sa Apnaa hamavak krt h. Aap Bal yah baat Qyaana ma rK ik yah sarasar Anaitk h.mana GanaSyaamadasajal k p~ kYNa kmaar Aar]nak Baa[yaa ka Aapk saamana KDa ikyaa h @yaaik Apna ipta kl salaah pr [nhana baDl inaBayata sa mar saamana Apnal Bala kbala kl. ma [nakl saHyainaYza kl भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ और घनश्यामदासजी बिड़ला जैसे व्यक्ति के प्रति नतमस्तक हूँ। इनको मेरे सामने आने kl ka[AavaSyakta nahl qal @yaaik [nak batae ibanaa maJa kBal pta Bal na calata ik ka[[nakl sahayata kr rha h.

Apna pitr kayakाल में, पहले ek iSaxak Aar tlpScaat ek हेडमास्टर के रूप में, ऐसा पहली dfa h ik ek laDka na Apnal Atraatmaa kl fTkar sanakr mar saamaana saahsa sa Apnal galatl ka svalkar ikyaa h.

GanaSyaamadasajal k maagadSana ma [na बालकों ने अंतत: सच्चाइ ka rasta pkDa h Aar]nak saskar dZ he h.Apna pr kayakाल में, phla ek iSaxak Aar t% pScaat ek hDmaasTr k $p में, ऐसा पहली दफा है कि एक laDk na Apnal Atraatmaa kl fTkar sanakr mar saamaana saahsa sa Apnal galatl ka svalkar ikyaa h.[sak ilae ma [na laDka kl तारीफ करता हूँ । मैं इस कक्षा में विशेष $p sa [sal ilae Aayaa ik Aap Bal [nakl तरह सत्य का पथ अपनाएँ।”इतना कहकर वह कक्षा से baahr cala gae.

hma [sa baat ka AaBaasa hAa ik [sa GaTnaa k maaQyama sa hma iptajal na svacC Atmana sa kama krk jalvana ma imalana vaalal klit kl Aar Pairt krna ka Payaasa ikyaa qaa.

AaBaar:]jjvala kjarlvaala
Anavaad: SalaSa Jaa

JAIN BROTHERS

Vidya Vihar, Pilani - 333031, (Rajasthan)
Phone : 01596 - 242144
E-mail : jain_bros@hotmail.com
visit us at : www.thejainbrothers.com

Stockist of Scientific, Technical and Educational Books from various publishers like.....

- Wiley India
- Springer (India)
- Macmillan India
- Pearson Education
- Thomson Learning
- Oxford Univ. Press
- Prentice-Hall of India
- Cambridge Univ. Press
- Vikas Publishing House
- Narosa Publishing House
- Jain Brothers (New Delhi)
- Elsevier Science & Technology
- CBS Publishers & Distributors
- Mcgraw-Hill Education (India)

Also deals in Magazine, News Papers and Periodicals Authorized Agent for :

1. Times of India, 2. The Hindu, 3. Indian Express,
4. Hindustan Times, 5. India Today, 6. Malayala Manorma

For all types of printed material visit us we also procure books on order.

saa[D [फेक्ट्स, TaTa nahaa K

ka[- लौटा दे...

सुबह से मन कचोट रहा है ,
कुछ खोए हुए लम्हों को ढूँढ रहा है ।
आज फिर रोने का दिल कर रहा है ,
आज फिर ज़िद करने का दिल कर रहा है ,
आज वो लोरी याद आ रही है ,
plaka p ASk zhrae jaa rhl h .
vaa calana kl kaiSaSa ma baar-बार गिरना ,
igar-igar k Bal baar-baar kaiSaSa krnaa .
वो ज़ोर ज़ोर से बिंदास गाना गाना ,
vaa nae-nae paja ma faTa i#acavaanaa .
वो माँ का गोद में खिलाना ,
वो पापा का सख़्त हाथों से सहलाना ,
वो दादा-दादी का प्यार से बाबू कहकर बुलाना ,
Aar hmaara caaklaT lakr ifr sa Baaga jaanaa .
हर सुबह स्कूल जाने से पहले रूठना ,
और स्कूल पहुँचते ही सब कुछ भूलना ,
Aaja yaad Aa rha h vaa skla ka Lunch-Time ,
Aar qaaDl sal Anabana k baad ka Punch-Time ,
vaa hr ek Punch के बाद कट्टी हो जाना ,
और दूसरे दिन उसी मासूमियत से अब्बा हो जाना ,
वो छुट्टी के बाद दिल खोल के चिल्लाना ,
और घर पहुँचते ही सीधे टी.वी. चलाना ,
माँ का जोर से डाँटना डपटना ,
Aar Tution Teacher के आते ही मुँह का लटकना ,
वो हर दिन जा कर मैदान में कबड्डी खेलना ,
और घर लौटकर चुपके से कपड़ों के दाग साफ करना ,
वो माँ के हाथों से बनाए खाने पे नाराज़गी जताना ,
Aar ifr baahr Kana kl ijad pr ADnaa .
वो शाम को कॉलोनी के दोस्तों के साथ ,
छुपम-छुपाइ, पकड़ा-पकड़ी, London Bridge haqaa ma
हाथ ,
फिर रात में चैन की नींद सोना ,
और सुबह माँ के जगाने पर ही उठना ।
hr Sunday का बेसब्री से इन्तज़ार ,
Aar Gala-मिल कर मनाना हर एक त्यौहार ,
बड़ों के सामने ऊँची बोली में ना बोलना ,
Aar CaTa sa Bal Pyaar sa baat krnaa .
वो कौन सा पल था जब हमने कहा-हम बड़े हो गए हैं ,
सबकी नजर में समझदार हो गए हैं ,
मैं फिर से उस पल में जाना चाहता हूँ ,
और उसे अपनी जिंदगी से मिटा देना चाहता हूँ ।
बड़े क्या हुए शायद हँसी ही कहीं गुम हो गइ है ,
rana kl baat yah h ik Aaja zlk sa ra Bal nahl pat h
लोरियाँ तो केवल फिल्मों में ही रह गइ हैं ,
और जिद करने से भी घबराते हैं ,
गाना तो केवल बाथरूम में ही होता है ,
hr faTa ma isaf banaavaT hl Jalaktl h .
एक बार गिरे तो समझो जीवन का अन्त है ,
ek bacca kl najar sa dKa ta vaa Bal Anant h .
माँ तो केवल खाने पर ही याद आती है ,
हैलो पापा, फीस भर देना, नहीं तो Fine लग जाती है ,
आज दादा-दादी है हमारे दिलों से कोसों दूर ,
Pyaar k maatl he caknaacar .
आज कॉलेज जाने से पहले..ओ हो...जाते ही कहाँ हैं ,
Lunch Time vyast Time-Table में बसा है ,
छुट्टी होने पर सीधे रेड़ी पर आना ,
और कमरे पर पहुँचते ही कम्प्यूटर चलाना ,
Kla ta kvala AOE Aar CS ही रह गए हैं ,
imalana k naama pr kvala Gtalk Aar Orkut hl baca
गए हैं ,
रात में सोने का कुछ भी नहीं है ठिकाना ,
सुबह क्या उठना, क्या नहाना ,
Sundays ta Aba Girl/Boy Friend k naama ha gae
हैं ,
Aar %yaahar k naama pr OASIS/BOSM/
APOGEE ही रह गए हैं ,
ApSabda ka [stmaala gava के साथ होता है ,
Aar bacaara mana Baltr hl Baltr rata h .
vaa Ta[म मशीन कहाँ से लाऊँ ,
वो सादगी कहाँ से लाऊँ ,
वो मधुरता कहाँ से लाऊँ ,
वो मासूमियत कहाँ से लाऊँ ,
जिंदगी में एक मकसद जरूर हो ,
वो हँसी, वो रोना, वो मासूमियत, वो बचपन
kBal hmasa jada na ha .
kBal hmasa jada na ha .

Patlk maahSvarl

ramaQaarl isah idnakr — janmaSatl pr ivaSaYa

जन्म:	23 सितंबर 1908	निधन: 24 अप्रैल 1974
उपनाम	दिनकर	
जन्म स्थान	ग्राम सिमरिया, जिला बेगूसराय, बिहार, भारत	
कुछ प्रमुख कृतियाँ	कुरुक्षेत्र, उर्वशी, रेणुका, रश्मिरथी, हुंकार, बापू	
विविध	1972 में काव्य संग्रह उर्वशी के लिये ज्ञानपीठ पुरस्कार	
जीवनी	रामधारी सिंह "दिनकर" / परिचय	

ramaQaarl isah idnakr svat~ta pva k ivadahl kiva k $p ma sqaaipt he Aar svat~ta k baad raYTkiva k naama sa jaana jaat rh. va Cayaavaada%tr kivayaa kl phlal plZl k kiva qa. ek Aar]nakl kivataAa ma ivadah आक्रोश और क्रांति की पुकार है ta dsarl Aar kamala Eagaairk BaavanaaAa kl AiBavyai@t h. [nhl da Pavai%tyaa ka carma]%kYa hma k$xa~ Aar]vaSal ma imalata h.

Aapka janma 30 isatbar 1908 को सिमरिया, मुंगेर, बिहार में हुआ था। पटना विश्वविद्यालय से बी० eo kl prlxaa]%tINa krna k baad va ek ha[skla ma AQyaapk ha gae. 1934 sa 1947 tk ibahar sarkar kl savaa ma saba–rijasT/r Aar Pacaar ivaBaaga k]pinadSak pda pr kaya ikyaa.

1950 sa 1952 tk majaFfrpr कालेज में हिन्दी के विभागाध्यक्ष रहे, Baagalapr ivaSvaivaValaya k]pklapit k pd pr kaya ikyaa Aar [sak baad Baart sarkar k ihndl salaahkar bana.

Aapka Baart sarkar kl]paiQa pdmaivaBaYaNa sa Alakt ikyaa gayaa. Aapkl pstk saskit k caar AQyaaya k ilaya Aapka saaih%ya Akadmal prskar tqaa]vaSal k ilaya Baartlya &anaplz prskar pdana ikya gae.

24 APala 1974 ka Aapka svagavaasa hAa.

Aapkl janma Satl pr Aapka Sat Sat namana .

p`maK kRityaa :

गद्य रचनाएं : मिट्टी की ओर, अर्ध नारीश्वर, रेती के फूल, वेणुवन, साहित्यमुखी, काव्य की भूमिका, प्रसाद पंत और मैथिलीशरणगुप्त, संस्कृति के चार AQyaaya.

पद्य रचनाएं : रेणुका, हुंकार, रसवंती, कुरूक्षेत्र, रश्मिरथी, परशुराम की प्रतिज्ञा,]vaशी, हारे को हरिनाम।

Sai@t Aar xamaa

'दिनकर'

क्षमा दया तप त्याग मनोबल
सबका लिया सहारा
पर नर व्याघ्र सुयोधन तुमसे
कहो कहाँ कब हारा ?

क्षमाशील हो रिपुसमक्ष
तुम हुए विनीत जितना ही
दुष्ट कौरवों ने तुमको
कायर समझा उतना ही।
अत्याचार सहन करने का
कुफल यही होता है
पौरुष का आतंक मनुज
कोमल होकर खोता है।

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो

उसको क्या जो दंतहीन
विषरहित विनीत सरल हो।
तीन दिवस तक पंथ मांगते
रघुपति सिन्धु किनारे
बैठे पढ़ते रहे छन्द
अनुनय के प्यारे-प्यारे।

उत्तर में जब एक नाद भी
उठा नहीं सागर से
उठी अधीर धधक पौरुष की
आग राम के शर से।

सिन्धु देह धर त्राहि - त्राहि
करता आ गिरा शरण में
चरण पूज दासता ग्रहण की
बँधा मूढ़ बन्धन में।

सच पूछो तो शर में ही
बसती है दीप्ति विनय की
सन्धि - वचन संपूज्य उसी का
जिसमें शक्ति विजय की।

सहनशीलता, क्षमा, दया को
तभी पूजता जग है
बल का दर्प चमकता उसके
पीछे जब जगमग है।

रामधारी सिंह दिनकर

maah

maah ka[छल नहीं है,
ek yaqaaqa है, सव्य का पाश है,
ijasasa hma saba baQa h
मोह त्यागने की बात करना शान है,
%yaaga panaa saBava ?
क्या त्याग पाएगी एक माँ, अपने बच्चे को,
9 maah ijasa kaK ma rKkr janma idyaa h
कह सकोगे उसका वात्सल्य मिथ्या है ?
क्या त्याग दे एक पिता अपनी संतान को,
जिसके छोटे छोटे हाथों ने,
]sa jalna ka ek]ddSya idyaa h
कह सकोगे कि, उसका वो स्नेह मिथ्या है?
@yaa %yaaga d Baa[बहन एक दूसरे को,
vaa CaTI CaTI sal laDa[yaa ma jalna ka jaa majaa h
कह सकोगे कि वो दुलार मिथ्या है?
क्या छोड़ दे बच्चे माता-पिता को,
उन्हें- जिन्होंने उन्हें जिन्दगी दी है
कह सकोगे कि वो प्यार मिथ्या है?
अगर हाँ तो वो मोह का त्याग नही है
h ta isaf inaYzrta inamamata
Apnal ijammadairyaa sa Baaganaa mai@t ka maaga nahl h
maah ka paSa h ta vahl sahl
Apna ktvyaa ka inavaah kra
Aakmaa ka Saw rKa
mai@t Apna Aap imala jaegal.

ihmaa jaha

Aasa

tfana ma icaraga jalaa baz
चाँद को पाने की मुराद लगा बैठे
होगी किसी फकीर की दीदार-ए-खुदा की ख्वाहिश -2,
hma basa mahbaba kl Aasa lagaa baz..
खो गया सुकून जब अरमानो की आँधी चली
Aar bamarvvat nald Bal bavafa inaklal
सहर के इन्तज़ार में गुज़रती है रात अब -2,
कैसे किसी अनजाने को चैन गँवा बैठे।।
ik ek mahbaba kl Aasa laga baz
nahl h hma iksal hr kl jastja
na Kyaala h ik kr ka[hmaarl Aarja
बहाते होंगे दीवाने कभी आँखों से पानी -2,
hma basa panal ma Aaga lagaa baz..
ik ek mahbaba kl Aasa lagaa baz
baranak lagatl h Apnal hl mahifla
@yaa BalD ma tnha[ZZta h idla
दौर-ए-जाम को मयखाने जाते हैं मेरे यार-2,
#vaaba ma vaa hma najara sa iplaa baz..
और हम महबूब की आस लगा बैठे...

Ajalt

ज़िंदगी-एक दिन

रवि रथ पर होकर सवार, मुस्कुराती आइ sabah
KSaba sa Apnal hvaa ka mahkatl Aa[sabah .
सिन्दूरी फ़लक नापने लगे पंछी सभी,
zDl bayaar kl lahra pr [zlaatl Aa[sabah . .
गुनगुनाती लहरें टकराने लगीं साहिल से ,
galt inaSClata ka gaatl Aa[sabah . .
ओस की बूदों में सजती मासूम कली ,
saandya ka maQarsa barsaatl Aa[sabah . .
हँसती, खेलती, बलखाती बच्ची सी लगती है मुझे,
bacapna ka Aa[naa bana maskatl Aa[sabah . .

आहिस्ता- आहिस्ता वक्त की मिट्‌टी पर धूप खिल उठी,
रास्ते नए आए नज़र, नज़रें मुकाम ढूढ़ने लगीं।
kBal gama थपेड़ों ने डिगाया, कभी धूप चुभने लगी,
pr ijandgal [k safr bana rFtar sa baZtl rhl . .
कहीं बादलों की छाँव मिली, तो कभी आँखें चौंधिया गइं,
धूप अपने हर रूप में, बहुत कुछ सिखला गइ .
तपिश, चुभन और उजियारा भी इस धूप की निशानी है,
ये धूप कुछ और नहीं, यौवन के सघंष kl khanal h . .

सूरज पड़ने लगा मद्धम, थकी हारी शाम घिर आइ,
पंछी घर लगे, नभ पर कृष्ण लालिमा है छाइ .
समर लहरों का स्वर मंद हुआ, विदा गीत लगी गाने
शाम ने पैर पसार दिये, तो सुकून लगा है छाने। ।
sad हवा सी चलती है, आँखों मे नींद सी है आती
ठहराव सा, अहसास सा, ये शाम साथ है ले आती।
दिन भर का हिसाब, जोड़-तोड़ ही शेष रह जाता है
हर ढलता दिन, जीवन संध्या की दास्ताँ कह जाता है। ।

SaBaaSal gaPta

t laaSa

जानता हूँ, तुम हो यहीं,
Aasa–pasa mar khl;
AaJala ha marl najara sa
Cp he ha tma maJasa .

खुशियों को झुरमुट में ढूँढ,
Aanand k dga–नीर में भी,
खिलखिलाती हँसी में खोजा,
imala tma maJa khl nahl .

निराशाओं के अंधकार मे ढूँढा,
आशाओं के सागर में भी,
सपनों के अंबर में खोजा,
imala tma maJa khl nahl .

पावस पत्थर, नभ में, तरू में,
अवनि, अग्नि, जल, समीर में ढूँढा।
षड् ऋतुओं के खेल में भी,
imala tma maJa khl nahl .

चंचल मन अब अधीर हो चला,
रूठे हो शायद तुम मुझसे,
saaca)dya]dasa ha gayaa .
ek jagah rh SaYa ga[है,
ढूँढा नहीं जहाँ तुम्हें अभी!

झाँका मन में, भावनाओं के अविरल बहते
जल में,
ढूँढा।अरे !!
h! सँवल, अजर, रूप मनोहारी,
iCp ha tma mar mana ma!!

inara maK मैं समझ न पाया,
मन की आँखें खोल न पाया,
बहते तुम भावना जल में,
Paxyaxa basa ha mar mana ma!!

समझ यह सत्य, लगा –
tlaaSa marl Kxma h[.

Aikt rstagal

Eawajaila

sagalta Samaa, BaaYaa ivaBaaga

malra banajal एक शख्स जो विद्स से बहुत अरसे से जुडी थीं,4 saala phla vah [sa sasqaana sa savaa inavat h[. prnt hmaar idlaa ma samaa[rhl. Acaanak [naka dsarl dinayaa ma jaana ka sadSa hma sabak ilaya ek baDa JaTka qaa. vaastva ma vah ABal Bal hmaar idlaa ma maajad h.

malra banajal @yaa na qal .
एक जन पर,
बहुत खूबियाँ
sabaka maananaa
malra Bavana ka naama]na pr qaa.
jaa ik saiya na qaa.
Par prl jaana Dalakr
maahala yahl khta qaa.
[sailaya caah vah Bavana ha yaa banajal ha
danaa hl malra ka qaa.
baalatl qal ta sannaaTa qaa.
sabaka AakiYat krnaa
बाएँ हाथ का खेल था।
sandrta kl Paitibaba
Anya sabaka maananaa qaa.
saa[kla pr savaar
GaTI ka bajaanaa
बेहाल छात्राओं को डाँटना
@yaaik
ijatnaa Pyaar]nhana ikyaa
dsara k ilae saBava na qaa
Aap calal gayal
Paitibaba CaD gayal
maanaa yaa na maanaa
हम कभी, आप जैसी हस्ती
hmaar balca
maiSkla hl saaxaat
पाएँगे।

malra banajal ibaTsa kl pva fklTl eva malra Bavana kl vaaDna qal. vaaNal k pva saskrNaa ma lagaatar]naka yaagadana hma PaaPt hata rha. ibaTsa kl yah pitBaa 30.01.08 ka [sa sasaar sa sada k ilaya ivada ha gayal. [sa kivata k maaQyama sa]nakl pva Ca~a eva hmaarl AQyaaipka sagalta Samaa]nh BaavaBalnal Eawajaila Aipt krtl h. vaaNal k Sabda ma vah sada jalvat rhgal.

Eal rama

mana pijat Bai@t isaicat.
pa$Ya pllaivat rajaa rama..
श्रद्धा में राम, शक्ति में राम।
दलित-निवला k bala rama..
शर में राम, शांति में राम।
क्षमा-विनय-विनती में राम।।
धन में राम, निधना k rama.

क्षमा-विनय-विनती में राम।।
धन में राम, निधना k rama.
Anaaid Anat data rama..
राम धीर हैं, राम प्रचण्ड।
savavyaaPt ek rama AKND..

Aijat Patap isah

Qartl Aar AakaSa

#yaalal AakaSa sa ta ijada Qartl AcCl
Qartl k fla nahl iKlat AakaSa ma
ijasakl mahk mana ka maah la.
नदियाँ नहीं बहती आकाश में
ijasama trkr rSama Aanand la sak.
ka[- pvat nahl AakaSa ma
ijasaka caZkr jalt haisala kr sak
ka[- rga nahl AakaSa ma
ijasasa ijadgal rga jaae
AakaSa ta barga h
QaaKa dta h rgaa k.
yah AakaSa ta ek bajar h
Kalalpna sa pNa, भरा हुआ।
caad jaa SaItla PatIt hata h
vah Bal samatla nahl.
isatar jaa iJalaimala camakt h
vah dr Bal iktna.
sarja jaa [tnaa tjasval
वहाँ पर पहुँच कर तो जल जाएँ।
ek Pyaar Bal h AakaSa.
idKta h @yaa kC nahl
mahkata h ijadgal ka
pr CaD dta h hma
ibanaa iksal saQa k.
#vaaba dKnaa.......AakaSa k iktnaa bara.
आकाश पर पहुँच कर मैं क्या करूँगा ?
AakaSa........ vaa ta laTka dgaa
iBagaakr .... मेरे ही आँसुओं में।
इससे अच्छा धरती पर ही जी लूँ
Qartl pr hl mar jaa} !
yahl pr janma hma
yahl pr marga hma!
यहीं पर रहकर हासिल करूँ
Apna jalna ka maksad
और सिद्ध हो जाऊँ!

AiBaYak syaala

mara ATT ivaSvaasa

yaid hata ma
ek sandr tara
ta iJalaimalaata
]na]dasatma raha pr
Apna laGa PakaSa ma
krta Aalaaikt]nh
yaVip samaxa]sa
SaiSa k PakaSa ma
ma Ka jaata
inaiSatma ma khl
Aar Balaa maJaka
rma jaata iPayatma Bal
उस चाँदनी में
hata kC inaraSa ma
Apnal [sa Asaflata pr
pr ifr saBala kr
krta gava Apna]sa Anapma Payaasa pr
Aar ifr ek baar
Aata maJa BayaBalt krna
Apna riSma rqa pr
vah mahabalal Aaid%ya
Aar Cpa dta mar
Asa#ya ima~a k saga maJa Bal
Apna Aaid%ya PakaSa ma
pr Apna Aist%va kl
ikicat icata ike ibanaa
krta hAa]sasa saGaYa
hata PakaiSat ma
क्योंकि मैं जानता हूँ
]sa idvasa nap k
laGa Saasana kala ka
jaanata yah Bal
ifr Aaegal
vah rjanal valaa
krna Padana vah saAvasar
जब झिलमिलाऊँगा मैं
Apnal samast manaakamanaaAa ka pra
कर....

Aaid%ya Sakr rGavaSal

jalvana

Dao पुष्पलता, भाषा विभाग

@yaa h AaiKr yah jalvana ?
ek safr
yaa ek makama .
idna idna ibatanaa
krta rhnaa yah kama vaa kama .
yahñ से आना, वहाँ cala jaanaa
@yaa [sal ka jalvana khta h ?
yaad h baat saBal pr jal rh jalvana ka hl
idyaa h ibasara
calatl saasaa ka &ana nahl
maat jasal saccaa[ka ka[Baana nahl
ica%t ma ka[zhrava nahl
Pasannata sa ka[phcaana nahl
iktna hl saaQa santa na kha
'मान जग को निरा सपना'
laikna ya maanaa iksana
जीवन का ऊद्देश्य है जाना किसने... ।

हँसना तो उनकी आदत थी

Paao rjanalSa Samaa

pazka sa AnaraQa h ik inamnailaiKt pi@tyaa ka marl Asala ijadgal sa ibalkla Bal jaaDkr na dK . [na pi@tyaa ka maKDa iksal Saayar sa kBal sanaa qaa Aar Antra ibalkla kalpinak h . yah tba ilaKa gayaa qaa jaba ma plo eca Dlo k ilae Apnaa SaaQa kaya kr rha qaa .

हँसना तो उनकी आदत थी,
उस हँसी पे जान लुटा बैठे,
वो हँसते-हँसते चले गए,
हम अपना आपा गँवा बैठे,
gamal के दिन थे या कि,
sadl की ठंडी रातें थी,
बस उनकी चाहत में था गुम,
बस उनकी ही सब बातें थी,
अब चाहत है पर बात नहीं,
अब चाहत है पर बात नहीं,
ये दिल है पर जज़्बात नहीं,
हँसना तो उनकी आदत थी।

AQar

अंधेरे मुझे रास आने लगे हैं ,
Apna Bal Aba dr jaana laga h .
क्या हालत है मेरे इस दिल की,
Anajaana saaya maJa Aba balaana laga h . .
AQar maJa rasa Aana laga h .
दरख्तों की छाया नहीं मुझको भाती ,
isatara kl baarat jaba Bal h Aatl .
yaada kl prCa[सपनों पर छाती ,
sapna maJa Aba Drana laga h . .
AQar maJa rasa Aana laga h .
यादों की जब याद यादों में आए ,
ifr baJaa vaa dlpk jalaaya .
भूल गया हूँ फिर भी क्यों याद आए,
vaa ikssa maJa Aba satana laga h . .
AQar maJa rasa Aana laga h .

]jjvala jaha

saflata

pCl ksa ha k]nma@t
आसमाँ में भरें उड़ान,
gar najar maijala p h ta
क्या तो डर, कैसी थकान।

cana k Kd ka rasta
उन्मुक्त उड़ के देख लो,
taD da caTTana Aar
maijala sa jaD k dK laa .

gar naa baQana ka[
न गैर हैं ये चट्टानें,
मन की बाधाएँ खड़ी हैं
बाँधे तुमको अनजाने।

Kd sa Kd k WW ma Aba
तुम जो बाजी मार लो,
ijadgal k hr kdma pr
saflata kl bahar laa .

sahYa caarisayaa

maanava jalvana

मानव प्राणी जब जन्म लेता है,
jaga k banQana sa jaD jaata h ;
असीम और असहाय काँटों से,
Paqa pr vah maD jaata h .

जीवन एक असीम पथ है,
hr piqak ka calanaa pDta h ;
आँधी ,वषा और तूफानों से,
DTkr laDnaa pDta h .

आशा और निराशा दोनों,
saaqal bana jaat h ;
PatJaD Aar vaYaa भी,
danaa mana bana jaat h .

सुबह लेकर जब वह चलता,
Saama bana jaatl h ;
सोचता है जग में हो नाम,
pr gamagalna ha jaata h .

जीवन ठहर जाता है,
qakkr saa jaata h ;
लेने को थोड़ा विश्राम छाया में,
svaPna saK ma Ka jaata h .

[cCa Aar kamanaa kBal Bal pNa नहीं होती,
मन दु:ख के सागर में डूब जाता है ;
जिन्दगी की असीम आहों से,
sada k ilae vah }ba jaata h .

h maR yadata! मैं आ रहा हूँ आपके हाथों में
मुझे ग्रहण करें, अब आ रहा हूँ आपकी हाथों में।

jalvana pqa

जब चलते हो जीवन पथ पर,
maD kr kBal tma dKa nahl ;
क्या अतीत था, क्या वतमान है, क्या भविष्य होगा ?
[sa Cayaa ka kBal saacaa nahl .

चलना है, बढ़ना है तुमको,
Apna saaQanaa k pqa pr ;
मंजिल पाना है, प्रकाशमय बनाना है,
Apna kamanaa k rqa pr .

AQara dr kr PakaSa ka tma paAaga ;
imalagal na[जिन्दगी, पाकर गति तुम गाओगे।

क्या होगा, क्या करना है, कैसे होगा ?
yah nahl kBal saacanaa h ;
मन में दृढ शक्ति लेकर,
jalvana pqa pr Aaga baZnaa h .

आँधी तूफान और वषा,
tmh hmaSaa Drayaga ;
जीवन के राह पर भड़का कर,
tmh hmaSaa Samaayaga .

तुम में अगर है साहस,
Aatmabala ka Aah Bara ;
जीवन प्रकाशमय बन जायेगा,
sammaana ka inagaah Bara .

badlhl Sakr laala

valra kl khanal

tnha[के आलम में जाने ,
iktna madhaSa h .
दुनिया के मारे जाने ,
iktna KamaaSa h .
हम तो हैं एक पीर ,
dinayaa sa kba tk laD paega .
धीरे धीरे लोग ,
हमें भी भूल जाएँगे।
लालच के अंधेरे में ,
jaana iktna bahaSa h .

जीवन पथ के थपेड़े खाने के लिए ,
जाने कितने सरफ़रोश हैं।
हम तो हैं एक पीर ,
कब तक अंधेरे में दीप जला पाएँगे।
धीरे धीरे लोग ,
हमें ही उस अंधेरे में छोड़ जाएँगे।
पर क्या हम,
अपने अरमानों को कभी भूल पाएँगे ?
आखिर हम तो हैं एक पीर ,
दुनिया को कुछ तो सिखा जाएँगे।

jayat savak

maga tYNaa k maainand

val esa inabaana, BaaYaa ivaBaaga

ek maga tYNaa k maainand
Cla rha h jalvana maJa
pta nahl ma Baaga rha]sak plC
yaa vaa ZZ rha maJa
खो गया हुँ मैं, बुझ गइ h caaht
mar ga[हर इच्छा, फिर भी नहीं है राहत
बचपन की धुँधली याद है
laDkpna Aayaa gayaa ha gayaa
jalvana ka baaJa baht pranaa
उम्र का तकाजा नहीं, उम्र तकाजा हो गइ
dlpk k pkaSa kl trh
अँधरे में ज्ञान की तरह
ka[आया बनकर मेरा, मेरा अपना
imaT ga[naa]mmaldl
अँगड़ाइयाँ लेने लगी चाहतें, इच्छाएँ और स्मृतियाँ
ifr ek baar laDgaa Syaama hvaana sa
Aar savaa$gaa sasaar ka
साथ दूँगा उम्मीद का और प्यार का
yakl h maJa tma mar saaqa ha
magar ya @yaa hAa
mara kla naaraja h Aaja sa
Aar Aaja ka pta nahl kla kl vyaqaa
फिर कल क्या हो, मैं क्या बताऊँ
kla Aar Aaja imala na sak
Aar ifr maJa]sal caarah pr KDa ikyaa
जहाँ से जिन्दगी कुछ दूर दिखाइ dtl h
ek maga tYNaa kl maainand

vaa mara manamalt

saagar kl gahra[माप ले,
yaa Cla pvat शिखर,
पीटे डंका, कर ली जीत,
mana kl gahra[नाप ले,
साथ निभाए आठ पहर,
वो मेरा मनमीत...

वो मेरा मनमीत,
जो समझे, मेरे अनकहे बोल,
सुन ले दिल की मेरी बात,
लगेगी उससे प्रीत,
वो होगा साथी इक अनमोल,
ijasakl Pama hl hagal jaat

जिसकी प्रेम ही होगी जात,
मनमोहिनी वो सुन्दर,
गाए सावन के गीत,
जब शाम ढले, हो रात
जगमग कर दे ये घर,
esaa mara mana malt

Aanad Salkr

Aa Pakit k klaakar

ओ प्रकृति के कलाकार, तेरी कला का यह विस्तार
यूँ किया नभ का श्रृंगार, चंदा संग तारों की भरमार
बदलते मौसम का प्रकार, कभी लू, कभी वषा kl fhar
ओ प्रकृति के कलाकार, तेरी कला का यह विस्तार
naidyaa ka ya sap आकार, पहने धरती इन्द्रधनुषी हार
रात का सोया संसार, प्रात: की सुरीली बयार
कौन है तेरा सलाहकार? कहाँ से लाया यह बहार?
ओ प्रकृति के कलाकार, तेरी कला का यह विस्तार।

?ka

क्रूरता

जो न बयाँ हो वो अल्फाज़, वो अनकहे जज़्बात,
वीरान समाँ का भयानक मंज़र, आ गया फिर से आज।
भय की लहरों पर टूटती ज़िंदगी,
pnapta BaYTacaar Aar dirdgal.
उदासी की अनेक परतें, समेट लेतीं मुझे,
ka[samaJa na paya ya Aaga ksa baJa.
जिस खुशी के लिए लड़ रहे थे सभी,
vaa KSal hl Jazl inaklal.
ऐसा लगा मानों जीने की राह न मिली,
dga he jaama laga na jaana iktnal naava ihlal.
अब तो मानवता के जलने की बू आने लगी,
dma taDtl [nsaainayat Aba dr jaana lagal .
गहरी पीर न जाने कितने दिलों को झंझोड़ती ,
maasaimayat Bal Aba Apna sa naata taDtl.
शस्त्र ही बचे इस दुनिया में अब,
Amana cana vaapsa Aaegaa kba.
SaaiYat janata k Qaya का अब टूट रहा है पुल,
बढ़ रहा आक्रोश, गुस्से के बाँध जाएँगे खुल।

tmmaya gaPta

dhja Paqaa

Aqal caZl hjaara knyaa
Aqal चढ़ीं हज़ारों कन्या, बैठ न पाइ Dalal ma.
laaKa Gar babaad हो गये, इस दहेज की डोली में।।
कितनों ने अपनी कन्या के, पीले हाथ कराने में।
कहाँ- कहाँ मस्तक हैं टेके, आती शम batana ma..
जिस पर बीते वही जानता, शब्द नहीं ये कहने के।
कितनों ने बेचे मकान, अब तक अपने रहने के।।
laaKa knyaa raK ha ga[, इस दहेज की होली में।
laaKa Gar babaad हो गये, इस दहेज की डोली में।।
यह हमारा मनुष्य रूप है, यही अहिंसा प्यासी है।
laDkl vaalaa kl gadn पर, चालू आज कटारी है।।
भीख माँगना लाचारी है, इसमें क्या लाचारी है।
सब कुछ पास सेठजी के है, फिर भी शम]tarl h..
bana ksaa[धन लेने के, कमी न छोड़ी बोली में।
laaKa Gar babaad हो गये, इस दहेज की डोली में।।

sadlp gaPta

paYaaNa)dya [sa dinayaa ma

पाषाण हृदय इस दुनिया में ,
savadnaa GaT gayal h .
भावनाओं की कद्र,
phla hl Kd gayal h .
चोरी, धोखाधड़ी, कालाबाजारी का बोलबाला है,
hr ba[maana kl itjaarl pr baDa saa talaa h.
[maanadar vyai@t maK कहलाता है ,
hr jagah Apna-Aap ka Alaga-qalaga pata h.
सत्ता के खेल में सब बिक चुके हैं ,
igarigaT saa rga badlana ma maaihr ha cak h.
idla ma nafrt Barna vaala Kd hl
ऐसी आग मेंजल जाएँगे
AaiKr kba tk majahbal takta k
बल पर राज कर पाएँगे?
@yaa [tnaa kalaa ha caka maanava mana
अपने गिरेबाँ में क्यों नहीं झाँकते हम?
लगता है, कुत्तों से आचरण सीख रहे हैं,
ijasana fkl raTl]sak plC dma ihlaa rh h .
अब तो जमीर का भी मूल्यांकन किया जाता है ,
mayaada ka inamamata sa kcalaa jaata h.
ये देख, विष्णु बोले
रावणों की भीड़ का अन्त एक राम कैसे करेंगे ?
वराह बनकर मानवता को इस दलदल से कैसे निकालेंगे?
iSava na Bal [sa hlaahla ka plna ma Asamaqata jata[,
tba dvaa na imala dsar samad maqana kl yaajanaa banaa[.
Saayad [sa ivaYa kl ka[काट निकल जाए,
jaa ifr maanava Qama sa sabaka Avagat krae .

jayat kmaar

चाँद की चंद्रिका में.....

चाँद की चंद्रिका में..... हम मिले, आप मिले ।।
मिठास के जादू से, खुशियों का आगमन हुआ ।।
रिश्तों की मिठास का, आज फिर एहसास हुआ ।।
उल्लास के रंगो से, फिर रंगा है हमारा मन-Aagana ..
प्रणय बोलों ने लिया, कडवाहट का स्थान ।।
ढलती रात्री के तिमिर मे, गमों ने किया प्रस्थान ।।
Ak k mayaK k saaqa
रिश्तों का स्वाद आज फिर ज्ञात हुआ ।। ऐसा लगा,
ivaYaad pr KiSayaa ka prcama ifr lahra gayaa ..

PaSait kmaar

यूँ रहा फिजा में रंग नहीं

Eal०चंद्रशेखर,
निदेशक, CEERI, iplaanal

hr Qama ganqa ma sagaiht
ipyaYa sadSa sadSaa k
jaba Knal vyaa#yaakar bana
BaYTaqa ikya]na Sabda sa
बरछी, भाला, तलवार गढ़े
dl Qaar GaNaa kl ifr]na pr
बोलो क्यूँ कर हो जंग नहीं।
gaBasqa iSaSa hl naaca rh

जब कोख स्वयं अपनी माँ की
तब कहे कहाँ पीड़ा जाकर
vah dlna va%salaa htBaagal
tba ifr kdiYT sa Sa~ Balaa
देखे क्यूँ उसका अपंग नहीं
यूँ रहा फिजा में रंग नहीं।
jaba)dya piTTka snah hlna
sajakta kl kcal saKl

klpnaa ivaKiNDt-pK xalNa
Baavanaa]da%ta kl BaKl
यौवन के स्वप्न, बाल आशा
ka daga @yaa Baivata $Kl
[na baata pr Bal icantna ka
क्यूँ आज हमें है ढ़ंग नहीं
यूँ रहा फिजा में रंग नहीं।
यूँ रहा फिजा में रंग नहीं।

KSal

जिंदगी है छोटी, हर पल में खुश रहो ।
अपने में खुश रहो, दोस्तों में खुश रहो ।
लेक्चर न जा सके आज,
ta TyaT ma KSa rha .
'A' ग्रेड नहीं बन पाया इस बार,
तो 'B' ma hl KSa rha .
Aaja SAC नही जा पाये तो,
masa ma hl KSa rha .
iksal iDpaTमेंट मे नही हो तो क्या,
dasta k saga hl KSa rha .
लैपटॉप न ला सके इस सेम,
ta IPC jaakr hl KSa rha .
इकरार नही कर सकते तो,
mana hl mana Pyaar kr KSa rha .
भूल जाओ सभी गम अपने,
dsara kl KSal ma KSa rha .
जिंदगी है छोटी, हर पल में खुश रहो ।

maa Arlja Asaarl

ijadgal

सफर ही सफर है,
जिंदगी एक सफर है,
cala]sa GaDI ka laaT cala
कि जब हमे आराम था,
हमे वो पल लौटा दे,
कि जब लबों पे जाम था,
कितनी खुशी के पल थे वो,
कि जब अपनो के साथ था,
vaa saaqa ZZta rhea
तंग गलियों की छांव में,
मैं उन आहटों से बैचैन हो रहा...
जो बस चुकी मेरी याद में,
एक हमसफर की तलाश में,
मै सबको अलविदा कह चला,
अलविदा... अलविदा... अलविदा........

saayana sarkar

तलाश...

mana kBal saacaa nahl qaa ik ibaPaivasa sa inaklana k बाद कभी "वाणी" के लिए कोइ लेख लिखूँगा। आज मुझे 'श्हुस्हा' में टाइp krt he baht id@kt ha rhl h. [tna दिन जो हो गये विप्रविस से दूर गए। मैं उन पाठकों को, जो विप्रविस में रहकर बहुत तंग आ जाते हैं, उनको ये कहना चाहूँगा कि विप्रविस की जिंदगी बहुत अच्छी है। वहाँ सब कुछ है; मौज, मस्ती, आराम, पढाइ, आदि। कमी है तो सिफ 'गलफ्रेंड' की। इसमें आपकी कोइ galatl nahl h. Aapk samaya ma ta ABal laDikyaa kl janasa#yaa Bal kma h. hmaar samaya ma ta 43% होते हुए भी हम अकेले ही रहे। खैर, ijanh ka[मिल गयी विप्रविस में, वे बहुत किसमत वाले होते h.

विप्रविस में रहकर हम सोचते हैं कि यहाँ से inaklana k baad ka[AcCl job imala jaaya. prnt ya 'job' वाली जिंदगी बहुत अलग सी है। मौज-मस्ती तो ibalkla kma ha jaatl h. ibaTisayanasa k saaqa rh rh h ta थोड़ा अच्छा रहेगा। यहाँ रोज एक-सी जिंदगी है। सुबह 10 बजे तक ऑफिस आना, रात को 10 baja tk Gar jaanaa. जो बोला जाये, बस वही करना। Weekdays ma [tnaa qak jaaAa ik weekends ma Aarama krt hl samaya calaa jaae. saBal laaga Apnal ijadgal ma [tna vayast ha jaat h ik iksal ka iksal sa baat krna yaa imalana tk ka samaya nahl rhta. ek Sahr ma rhkr mahlnaa ha jaat h baat ike. pta nahl laaga badla jaat h yaa samaya laagaa ka badla देता है। कभी-कभी तो मुझे लगता है कि मैंने गलती की laagaa sa dastl krk. @yaaik]nasa dr hana pr yaa]nasa contact खत्म हो जाने पर मुझे बहुत दु:ख हुआ। पता नहीं, शायद इसी को जिंदगी कहते है। इसलिए कहूँगा-

"कभी दोस्त मत बनाना,
अगर दोस्त बनाया तो उनके करीब मत जाना,
अगर करीब गये तो उन्हें पसंद मत करना,
अगर पसंद किया तो भरोसा मत करना,
अगर भरोसा किया तो कभी छोडना मत।"

iksal sa Bal dastl kafl saaca-samaJakr krnaa caaihe. Kasakr iksal ka Apnaa "best friend" banaana sa phla hjaar baar saacanaa caaihe @yaaik "friend" से दूरियाँ बढने पर उतना फक nahl pDta ijatnaa "best friend" sa irSt Kma ha jaana pr pDta h.

किसी ने सच ही कहा है- "विप्रविस से विप्रवासी को निकाला जा सकता है, पर एक विप्रवासी से विप्रविस कभी निकाला नहीं जा सकता।" विप्रविस से निकलने के बाद सिफ 'यादें' ही तो होती है जो विप्रवासी के अंदर विप्रविस को जिंदा रखती है। मैं कभी नहीं भूल सकता अपने विंग में क्रिकेट खेलना, अपने साइikla pr triple-load चलाना, रात-rat भर चैटिंग करना, हर नइ Kbar ka Apna Gtalk ka sTTsa मेसज़ बनाना, Audi k maivaja / म्यूज़िक नाइटस, कनॉट / Zabaa k treats, ब्लूमून का शैक, SKY के स्नेप सेसन्स, ANC का सैमचाट, mess के भटोरे, IPC ka telnet, ला इब्रेरी में बिताया हर पल, FD-5 के क्लासेस में सोना, IC ka ब्रैड-पकोडा खाने DigE pracs के बीच में जाना, मौय ivahar के काम के लिए पूरे पिलानी में इधर-उधर भटकना, HPC ma farmaiTga k ilae nite-outs मारना... बस...अब और आगे नहीं सोच सकता.....

मैंने जब से अपना होश संभाला, जिदंगी में कुछ बनने का सोचा। कुछ ऐसा बनूँ जिससे मेरे परिवार को मुझ पर naaja ha. dsaval kl prlxaa pasa krt hl [ijainayar banana kl lalak jaaga gayal qal. ma ta IIT kl tyaarl k ilae ek saala drop krna ka tyaar ha gayaa qaa. Par iksamat ka kC Aar hl majar qaa. baarhl kl prlxaa ma Tapr banaakr विप्रविस भेज दिया। वहाँ के चार साल के दौरान हमेशा एक AcCl job kl kamanaa kl. *PS2 ma job imala jaana k baad lagaa kl marl tlaaSa Kma ha gayal h. prnt ma galat qaa. मुझे लगता है कि मेरी 'तलाश' अभी भी ज़ारी है। मैंने वो सब हासिल कर लिया है जिससे मेरे परिवार को खुशी हो। परन्तु, tlaaSa h maJa]sa calja ik ijasasa maJa KSal imala. caah vaa ka[हमसफर हो, चाहे अपने परिवार के साथ खुशी की जिंदगी, चाहे एक उज्जवल भविष्य की। मैं उस मुकाम को तलाश रहा हूँ, जहाँ मुझे एहसास हो कि मैंने अपनी जिंदगी में सब कुछ पा लिया है। मेरी तलाश मेरी संतुष्टि की है,* ya ta अब समय ही बतायेगा कि मेरी तलाश कहाँ खत्म होती है।

अलविदा,
आपका, संजीव,
2003A3PS022

"वाणी परिवार"

निरूपम, राज शेखर, उज्ज्वल, सुरभि, अभिराज, प्रशांत,

ivavak .

पुष्प सौरभ, शैलेश झा, नित्य, प्रतीक माहेश्वरी, प्रतीक अग्रवाल, जयंत, सुयकांत, रितु, सुमन, भावेश झा, अनुभा ।

लोकेश राज, सौरभ कश्यप, आलोक सोनी, सुखद चतुवेदी, मोहित लोहानी, गणेश कुमार, प्रेम शंकर, ऋत्विक राज, उज्जवल जैन, तन्मय गुप्ता, कुलदीप, वैशाली, शुची शुक्ला, विभोर, विनय, शुभोदीप।

Agaja : राकेश, स्नेहिल, प्रगति, शालु, संजीव, रिखाड़ी।

AaBaar :

माननीय श्री कृष्ण कुमार बिड़ला, प्रो० लक्ष्मीकांत माहेश्वरी, Da० sagalta Samaa, डॉ० पुष्पलता, संजीव कुमार चौधरी, प्रो० valrnd/isah inabaान, श्री चंद्रशेखर ।

iSaxakao ka ivaSaYa sahyaaga ko ilae Qanyavaad :

श्री एन वी मुरलीधर रॉव, श्री संजय कुमार वमा, श्री वी० k०चौबे, श्री रजनीश Samaा, श्री जनादन प्रसाद मिश्र, प्रो विमल भॅनोत, श्रीमती मीनाक्षी रामन ।

http://vaani.co.nr

]dGaaYaNaa :

वाणी एक परिसर पत्रिका है, जो केवल बिप्रवािसयों के लिए प्रकाशित की जाती है। इसका किसी भी प्रकार से क्रय विक्रय पूणतyaa AvaQa h. daYal paya jaana pr]icat kayavaahl kl jaayagal.